हरिभूमि
# भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार, 22 अप्रैल 2024

11 जल संरक्षण व नशामुक्ति की दिलवाई शपथ

12 बहल बस स्टैंड पर सुविधाओं का भारी टोटा, यात्री परेशान

**खबर संक्षेप**

### घर के आगे खड़ी बाइक चोरी, मामला दर्ज

**बवानीखेड़ा।** बवानीखेड़ा के वार्ड 14 में घर के आगे खड़ी मोटरसाइकिल चोरी होने पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। अजय कौशिक ने पुलिस में दी शिकायत में बताया कि शनिवार रात नौ बजे उसने अपने ताऊ के घर के आगे उसने अपनी बाइक खड़ी की थी। लगभग एक घंटे बाद देखा तो बाइक नहीं मिली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

### पिता ने पुत्री की गुमशुदगी का करवाया मामला दर्ज

**बवानीखेड़ा।** क्षेत्र के गांव में पिता ने 22 वर्षीय पुत्री की गुमशुदगी का मामला दर्ज करवाया है। पिता ने पुलिस में दी शिकायत में बताया कि वह परिवार सहित गेहूं की कटाई करने हुआ था और उसकी पुत्री घर पर थी, जब वे घर वापस आए तो उसकी पुत्री घर पर नहीं थी। पुलिस ने पिता की शिकायत पर पुत्री की गुमशुदगी का मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

### दवाई लेने गई पुत्री लापता, मामला दर्ज

**बवानीखेड़ा।** गांव सिवाना से भिवानी के लिए पेट दर्द की दवाई लेने के लिए गई युवती वापस घर नहीं लौटी। पिता ने पुलिस थाने में पुत्री की गुमशुदगी का मामला दर्ज करवाया हैं। सिवाना निवासी व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि उसकी 19 वर्षीय पुत्री शनिवार को दोपहर 11 बजे घर से भिवानी सिविल अस्पताल में पेट दर्द की दवा लेने गई थी, लेकिन वापस नहीं लौटी।

### डॉ. कपूर लडवाल का स्वागत किया

**भिवानी।** संत शिरोमणि कबीर वेलफेयर सोसायटी ने प्रधान बलबीर कोट की अध्यक्षता में सम्मान समारोह का आयोजन किया। समारोह में भाजपा एससी मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं दादरी विधानसभा संयोजक डॉ. कपूर लडवाल का स्वागत किया। डॉ. लडवाल ने उपस्थितजन को भाजपा की जनकल्याणकारी नीतियों से अवगत करवाया।

### हनुमान जन्मोत्सव पर भंडारा एवं जागरण कल

**भिवानी।** हुडा पार्क के नजदीक स्थित सिद्धपीठ पूर्वा बालाजी हनुमान मंदिर में हर वर्ष की भांति हनुमान जन्मोत्सव पर 23 अप्रैल को विशाल भंडारा एवं जागरण का आयोजन किया जाएगा। मंदिर के पीठाधीश्वर ने बताया कि 23 अप्रैल मंगलवार को सुबह 9 बजे हवन होगा। इसके उपरांत 11 बजे भंडारा तथा शाम पांच बजे से जागरण का आयोजन किया जाएगा। जागरण में कलाकार रामबीर शर्मा राखी गढ़ीवाले, राजेश पहलवान व घनश्याम नागर भजनों के माध्यम से बालाजी हनुमान की महिमा का गुणगान करेंगे।

### पुर मोड़ स्थित जोहड़ी में लगी आग

**बवानीखेड़ा।** बवानीखेड़ा के पुर रोड के समीप सुदी जोहड़ के सामने सरकंडो में अचानक आग लग गई। आग की लपटे इतनी ऊंची थी कि खुले आसमान में भयानक रूप धारण किए हुए थी और आसमान को छूने का कार्य कर रही थी। आग से पूरे वार्ड में दहशत का माहौल पैदा हो गया। सभी ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन असफल होते देख भिवानी अग्निशमन केन्द्र में सूचित किया।

## भिवानी अनाजमंडी में उठान कार्य धीमा

# 2 दिन रोड जाम करने पर रविवार को भी पूरे दिन किसानों के उतरवाए गेहूं

**बस स्टैंड परिसर बना गेहूं खरीद केंद्र, प्रशासन ने यात्रियों के लिए नहीं छोड़ा कोई विकल्प यात्रियों के बैठने से पेयजल, शौचालय व धूप तक का नहीं किया प्रबंध**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी/बाढ़ड़ा

बाढ़ड़ा बस स्टैंड में गेहूं की ट्रैक्टर ट्रॉली खाली नहीं करवाने के विरोध में लगातार दो दिन शुक्रवार व शनिवार को किसानों ने रोड जाम किया और प्रशासन ने गेहूं की ट्रॉलियां खाली करवाई और जाम खुलवाया, जिसके चलते रविवार को भी बस स्टैंड में पूरे दिन किसानों के गेहूं डलवाए गए, जिससे किसानों ने राहत की सांस ली।

वहीं भिवानी अनाजमंडी में लिफ्टिंग में ढिलाई होने से किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा हैं। लिफ्टिंग में ढ़िलाई का मुख्य कारण प्रवासी मजदूरों की कमी बताई जा रही हैं। वहीं भिवानी अनाजमंडी में गेहूं व सरसों सड़क तक पहुंच चुके हैं, जो ट्रैक्टरों के आवागमन से खराब भी हो रहे हैं। उल्लेखनीय हैं कि शुक्रवार व शनिवार को किसानों ने उनके गेहूं नहीं उतरवाने पर बाढ़ड़ा बस स्टैंड के समक्ष रोड जाम कर धरना शुरू कर दिया था, जिसके बाद डीसी से पूर्व मुख्य संसदीय सचिव रणसिंह मान ने किसानों का गेहूं बस स्टैंड में डलवाने की अपील की थी। इसके कुछ समय बाद ही किसानों के ट्रैक्टर प्रशासन ने बस स्टैंड के गेट खोलकर खाली करवाए थे। वहीं रविवार को खरीदे गए गेहूं का उठान भी शुरू करवा दिया गया है, लेकिन बस स्टैंड पर बसों का आवागमन पूरी तरह से बंद है, जिसके चलते यात्रियों को खासी परेशानी उठानी पड़ रही है। रविवार को सुबह से ही बस स्टैंड का गेट किसानों के लिए खुला रखा गया, जिसमें से किसान पूरे दिन बस स्टैंड में अपना गेहूं लाते रहे और उतारते रहे, जिससे किसानों ने राहत की सांस ली है। शायद प्रशासन को अंदेशा हैं कि कहीं किसान दोबारा जाम लगाकर विरोध प्रदर्शन करना न शुरु कर दें, इसलिए उन्होंने रविवार को भी किसानों का गेहूं उतरवाना उचित समझा।

### ...नहीं की कोई व्यवस्था

बस स्टैंड के बाहर एकत्रित यात्रियों ने कहा कि बस स्टैंड बंद होने के कारण सबसे अधिक परेशानी यात्रियों को उठानी पड़ रही हैं। यात्रियों को सड़क पर खड़े होकर बसों का इंतजार पड़ रहा हैं। बस स्टैंड को अस्थायी मंडी बनाने की एवज में यात्रियों के लिए प्रशासन व रोडवेज अधिकारियों ने कोई अस्थायी व्यवस्था नहीं की, जहां पर पेयजल, शौचालय, बैठने की सीटें व छांव का कोई प्रबंध हो, जहां गर्मी के मौसम में महिला, बच्चे, बुजुर्ग, पुरूष यात्री बैठकर बसों का इंतजार कर सके और अपने गंतव्य तक सही सलामत पहुंच सके।

**भिवानी अनाजमंडी में प्रवासी मजदूरों की संख्या कम, लिफ्टिंग की बनी समस्या**

भिवानी। बाढ़ड़ा बस स्टैंड पर रविवार को गेहूं लेकर पहुंचे किसान। फोटो : हरिभूमि

भिवानी अनाजमंडी में सरसों व गेहूं की बैगों की लिफ्टिंग कार्य में काफी ढ़िलाई हो रही हैं, जिसके पीछे अबकी बार प्रवासी मजदूरों के कम आने व उनकी संख्या कम होना बताया जा रहा हैं, क्योंकि लिफ्टिंग का कार्य प्रवासी मजदूर ही करते हैं और उन्हें कहीं अन्य जगह कार्य मिलने व ज्यादा फायदा मिलने की वजह से वे भिवानी में नहीं पहुंचे। वहीं लिफ्टिंग के कारण मंडी में हजारों क्विंटल सरसों व गेहूं पड़ा हैं और जगह नहीं हैं। मंडी की सड़कों तक गेहूं व सरसों की ढेरियां पहुंच चुकी हैं, जिससे किसानों को नुकसान हो रहा हैं।

**बस स्टैंड में 15 हजार क्विंटल की गेहूं की आवक**

अनाजमंडी में जगह के अभाव में बस स्टैंड में अस्थायी मंडी बनाई गई है, जिसमें अब तक लगभग 15 हजार क्विंटल गेहूं की आवक हो चुकी है, जिसमें से 2408.5 क्विंटल की खरीद की जा चुकी है तथा 1450 क्विंटल गेहूं का उठान भी हो चुका है। दिन प्रतिदिन गेहूं की आवक हो रही हैं। गेहूं की खरीद सुचारू रूप से चले और उठान कार्य भी तेजी से हो तो किसानों को राहत मिल सकती हैं, अन्यथा एक ओर किसान और दूसरी ओर यात्री परेशान हैं।

**बसों का आवागमन अभी भी बंद**

खरीदे गए गेहूं का उठान भले ही शुरू करवा दिया गया, लेकिन बस स्टैंड में अभी भी चारों ओर गेहूं पड़ा हैं और बसों का आवागमन पूरी तरह से ठप है। सतनाली व तोशाम की ओर जाने वाली कुछ बसें ही बस स्टैंड के सामने से निकलती है और बाकि बसे दूसरे रास्तों से जा रही हैं। वहीं लोहारू व दादरी जाने वाली बसें क्रांतिकारी चौक से ही सीधे निकल रही है। इसके अलावा अनेक रूटों की बसें कहां से मिलेगी और रूकेगी भी या नहीं, इसकी भी कोई गारंटी नहीं हैं।

चरखी दादरी। खेतों में फसल जलने के बाद पड़ी राख। फोटो : हरिभूमि

## बिजली लाइन से निकली चिंगारी, 20 एकड़ गेहूं की फसल जलकर राख

- कुछ देर के लिए दी थी बिजली सप्लाई, गांव मैहड़ा के खेतों से गुजर रही लाइन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

रविवार को दिन में गांव मैहड़ा के खेतों से गुजर रही बिजली आपूर्ति लाइन के तारों में हुए शॉर्ट सर्किट से निकली चिंगारी से 20 एकड़ गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। आग से किसानों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। पीड़ित किसानों ने निगम पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए सरकार से मुआवजे की मांग की है। किसानों ने बताया कि रविवार को खेतों में बिजली आपूर्ति लाइन में शॉर्ट सर्किट हुआ, जिससे एक चिंगारी गेहूं के खेत में गिर गई और अचानक आग लग गई।

किसान ने बताया कि आग लगते ही फायर ब्रिगेड को सूचित किया तथा अपने स्तर पर आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया, लेकिन आग हवा के साथ तेजी से फैलती चली गई। कुछ ही देर में आग साथ लगती गेहूं की फसल में फैल गई। फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने जब तक आग पर काबू पाया तब तक 20 एकड़ गेहूं की फसल राख हो गई। आग से किसान वजीर, नंदराम, रामावतार और जितेंद्र की गेहूं की फसल व अन्य किसानों का तूड़ा राख हो गया।

**कुछ देर के लिए आई बिजली**

किसानों ने बताया की निगम की तरफ से दिन में बिजली आपूर्ति बंद रखी हुई थी, मगर रविवार को कुछ देर के लिए बिजली आपूर्ति बहाल की गई थी। उसी दौरान शॉर्ट सर्किट से आग लग गई।

**सरकार व प्रशासन से मुआवजे की मांग**

पीड़ित किसानों ने कहा कि कठिन परिश्रम के बाद फसल तैयार की थी। रविवार को बिना शेड्यूल बिजली सप्लाई दी गई, जबकि सरकार ने फसल कटाई को देखते हुए दिन में बिजली आपूर्ति बंद का निर्णय लिया था, मगर रविवार को बिजली आपूर्ति बहाल की गई। निगम की लापरवाही के कारण ये हादसा हुआ है। किसानों ने कहा कि अब उनके सामने खाने व पशु चारे का बड़ा संकट खड़ा हो गया है। किसानों ने सरकार व प्रशासन से नुकसान की भरपाई के लिए मुआवजे की मांग की है।

## सारिका को यूपीएससी में 548वां रैंक हासिल करने पर पंघाल खाप करेगी सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

- युवा अपने कैरियर व देश का सम्मान बढ़ाने पर फोकस रखें

गांव लक्ष्मणपुरा की बेटी सारिका चौधरी द्वारा यूपीएससी में 548वां रैंक हासिल करने पर पंघाल खाप द्वारा सम्मानित किया जाएगा। राजनारायण पंघाल ने बताया कि यूपीएससी की परीक्षा में भाग लेना अपने आप में महत्वपूर्ण है, इन परीक्षाओं में वहीं विद्यार्थी पहुंचते हैं, जिनका ज्ञान बेहतर होता है। सारिका ने अपनी प्रतिभा का इस परीक्षा में लोहा मनवाया है। उन्होंने कहा कि हमारा देश युवाओं का देश है, यहां की 65 फीसदी आबादी युवाओं की है, युवा अपने कैरियर व देश का सम्मान बढ़ाने पर फोकस रखें, जिन्हें जो फील्ड पसंद हो, वे उसके लिए दिल-जान से प्रयास करें, सफलता जरूर मिलेगी। यूपीएससी की परीक्षा में हरियाणा के युवाओं की अच्छी संख्या है। हर बार की तरह हमारे युवाओं ने प्रदेश का नाम रोशन किया है। पंघाल ने कहा कि आज बेटियां हर क्षेत्र में अपना लोहा मनवा रही है। पंघाल ने बताया कि सारिका ने 12वीं पिलानी बिरला बालिका विद्यापीठ से 95 प्रतिशत से पास की और बीए दिल्ली विश्वविद्यालय के हिन्दू कॉलेज में गोल्ड मेडलिस्ट रही है। एमए व एमफिल भी वहीं से की है। सारिका के पिता मुकेश पंघाल बाढ़ड़ा से नायब तहसीलदार पद से सेवानिवृत्त हैं। पंघाल खाप सारिका को सम्मानित करेगी

## तरुण पाहवा को किया सम्मानित

- तरुण पाहवा यूपीएससी परीक्षा में 231वां रैंक मिला था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

एसआर जैन बैडमिंटन अकेडमी में रविवार को सम्मान समारोह आयोजित किया। समारोह की अध्यक्षता अकेडमी के संचालक संजीव जैन ने की। इस अवसर पर सिविल सर्विसेज में सफलता पाने वाले डॉ. तरूण पाहवा व उनके परिजनों को आमंत्रित किया। अकेडमी की सदस्य एवं संजीव जैन की माता लज्जा रानी ने सिविल सर्विसेज में सफलता पाने वाले डॉ. तरूण पाहवा को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की प्रतिमा देकर सम्मानित किया और आईपीएस डॉ. तरुण पाहवा की उपलब्धि को दादरी क्षेत्र के लिए गर्व का क्षण बताया। उन्होंने डॉ. तरूण की सफलता से अन्य युवाओं को सीख लेकर आगे बढ़ने को प्रेरित किया, जिससे कि अधिक से अधिक युवा भविष्य में दादरी क्षेत्र के नाम को रोशन करें। तरूण पाहवा के चाचा कमल पाहवा ने बताया कि तरूण ने यूपीएससी परीक्षा में 231वां रैंक प्राप्त करके अपने लक्ष्य को प्राप्त किया है तथा दादरी जिले का नाम पूरे देशभर में रोशन किया है। जैन ने कहा कि सफलता हमेशा उसी को मिलती है जो कभी असफलता से घबराता नहीं, बल्कि इसके जरिए अपनी गलतियों को जान व समझ कर आगे बढ़ता है। इस अवसर पर सुनीता जैन, सौरभ जैन, दीपक जैन, शौर्य गुप्ता, निर्भय जैन, अनुभव जैन, शिवम जैन, अनुराग जैन, श्रेष्ठी जैन, संजय जांगड़ा, ओमप्रकाश सैनी, आदित्य गोयल, हिमांशु, नरेश जैन, डा. अशोक गोयल, विकास सांगवान, हैप्पी, नवीन सैनी, कमल पाहवा, आदि मौजूद रहे।

चरखी दादरी। तरुण पहवा को सम्मानित करते। फोटो : हरिभूमि

बाढ़ड़ा। लिखित पत्र जारी करवाने को बाढ़ड़ा एसडीएम सुरेश दलाल को ज्ञापन सौंपते आढ़ती। फोटो : हरिभूमि

## शूटर इच्छा ने दोबारा से किया स्टेट क्वालीफाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

शूटरा इच्छा दहिया

गांव मित्ताथल की लाडली सुटर इच्छा दहिया ने हरियाणा राईफल एसोसिएशन द्वारा नई दिल्ली में आयोजित थर्ड हरियाणा प्री स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में दोबारा से क्वालीफाई किया। इच्छा के पिता मास्टर नरेंद्र ने बताया कि बेटी इच्छा ने छोटी सी आयु में दो बार स्टेट क्वालीफाई कर गांव व जिले का नाम रोशन किया है। हमें बेटी पर बड़ा गर्व है। इच्छा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच ललित, माता-पिता व अन्य परिजनों को देते हुए कहा कि उन्होंने जो मुकाम प्राप्त किया है ये सब उनके उचित मार्गदर्शन का परिणाम है। इस अवसर पर ग्रामीणों, खेलप्रेमियों व परिजनों ने इच्छा को शुभकामनाएं दी।

## बेटी पैदा होने पर ढोल-नगाड़ों से किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

हरियाणा में एक समय ऐसा था, जब लोग लड़कियों के पैदा होने पर ताने मारते थे, लेकिन आज हरियाणा की ये तस्वीर बदल रही है। बच्चियों के जन्म पर अब उनका ढोल-नगाड़ों से स्वागत किया जा रहा है, ऐसी ही तोशाम क्षेत्र के गांव कतवार में देखने को मिला, जहां अनिल सिंगला की पत्नी सुनीता सिंगला ने हिसार के निजी अस्पताल में बच्ची को जन्म दिया है,जिसकी सूचना पाकर पूरे परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई। परिवार के मुखिया ने बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ का नारा देकर सबको इस राह पर चलने की अपील की और जब नवजात बेटी को लेकर परिवार के लोग गांव पहुंचे तो नवजात बेटी का स्वागत गांव वालों ने ढोल-नगाड़े बजाकर भव्य तरीके से किया।

बेटी के जन्म पर खुशी मनाते परिजन। फोटो : हरिभूमि

## जीएसटी तुरंत वापस करने के आश्वासन पर निकला हल

- बाढ़ड़ा में जीएसटी मामले समाधान होने पर सरसों की खरीद होगी शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढ़ड़ा

आढ़तियों द्वारा सरसों खरीद में पांच प्रतिशत जीएसटी भरवाने के चलते सरसों की खरीद बंद पड़ी थी, लेकिन बाढ़ड़ा में जीएसटी मामले का हल हो गया है और सरसों की खरीद पुनः शुरू होगी। पांच प्रतिशत जीएसटी आढ़तियों द्वारा भरने के तुरंत बाद तीन प्रतिशित जीएसटी वापस कर दी जाएगी और दो प्रतिशत जीएसटी पोर्टल पर शो करेगा। आढ़तियों ने इस पर अपनी सहमति जता दी है और खरीद शुरू करने की बात कहीं है।

वहीं आढ़तियों ने इस संबंध में लिखित पत्र जारी करवाने के लिए बाढ़ड़ा एसडीएम सुरेश दलाल को ज्ञापन भी सौंपा है। सरसों खरीद में पांच प्रतिशत जीएसटी भरवाए जाने को लेकर स्थानीय आढ़ती इसका विरोध कर रहे थे और हड़ताल पर चले जाने के कारण सरसों खरीद बंद थी। बाढ़ड़ा अनाज मंडी प्रधान हनुमान शर्मा की अगुवाई में एसडीएम कार्यालय पहुंचे आढ़तियों ने बताया कि डीएम हैफेड की ओर से मौखिक आश्वासन मिला है।

**सरसों की खरीद करेंगे शुरू**

रविवार शाम को एसडीएम से मिलने के बाद बाढ़ड़ा अनाज मंडी प्रधान हनुमान शर्मा ने बताया कि उन्होंने ज्ञापन सौंपकर लिखित पत्र जारी करने की मांग की है। एसडीएम ने उन्हें आश्वासन दिया है कि वे इसको लेकर हैफेड डीएम की ओर से पत्र जारी करवा देंगे। प्रधान ने बताया कि आज देर शाम को ही सरसों की खरीद शुरू कर दी जाएगी।

## हर प्रकार के जीवों में इंसान सबसे उत्तमः परमसंत कंवर साहेब

# नाम दान से बड़ा दान नहींः परमसंत कंवर साहेब

- दिनोद गांव स्थित राधा स्वामी आश्रम में परमसंत कंवर साहेब ने फरमाए प्रवचन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

संतों के दरबार की तरफ बढ़ाया गया एक-एक कदम यज्ञ के समान है, संत जीव से तन-मन-धन की बाजी लगवाते हैं, भक्ति करने वालों के लिए बाजी परमात्मा से ही लगती है, ये एकमात्र ऐसी बाजी है, उसमें हर तरह से बाजी लगाने वाला भक्त ही जीतता है,ये सत्संग वचन परमसंत सतगुरु कंवर साहेब ने दिनोद गांव स्थित राधा स्वामी आश्रम में फरमाए। हुजूर कंवर साहेब ने फरमाया कि दुनियादारी की सारी बाजियों में जीतने वाला तो लाभ में रहता है और हारने वाले हानि में, लेकिन परमात्मा से खेली बाजी में अगर हम जीतते है तो भी लाभ में रहते है और हारते हैं तो भी लाभ में ही रहेंगे। गुरु महाराज ने कहा कि बाजी में आनन्द भी तभी है, जब हम अपना सर्वस्व लगा देते हैं। सतगुरु से दीक्षा के समय ही गुरु आपसे आपका तन-मन और धन ले लेता है और बदले में आपको वो मार्ग देता है, जिसे अपनाकर आप परमात्म के घर को पा सकते हो, नाम दान से बड़ा दान नहीं, क्योंकि ये आपको जगत से ऊपर उठाकर अगत से जोड़ता है। उन्होंने कहा मुक्ति के भी चार प्रकार हैं, सालोक, सामीप्य, सायुज्य और सरूप, इनमें सबसे उत्तम है सरूप भक्ति, क्योंकि ये भक्ति की वह अवस्था है,।

भिवानी। राधा स्वामी आश्रम में प्रवचन देते संत कंवर साहेब महाराज। फोटो : हरिभूमि

**बिना नाम के ध्यान नहीं**

परमसंत कंवर साहेब ने कहा कि चार प्रकार के जीव है जो अंडे, जेर, पसीने व वीर्य से पैदा होते है, लेकिन हर प्रकार के जीवों में इंसान सबसे उत्तम है, इस यौनि में आकर भी चौरासी से न निकलने वाला जीव उस अंधे की भांति है जो जगतरूपी काल कोठरी के दरवाजे पर आकर भी बाहर निकलने से चूक जाता है। हुजूर महाराज ने कहा कि बिना नाम के ध्यान नहीं है, नाम मिलेगा सतगुरु से और गुरु का संग पाने से ही सबकुछ प्राप्त हो जाता हैं।

# साहित्य

*तर्कों की झड़ी, तर्कों की धूलि और अन्धबुद्धि. ये सब आकुल व्याकुल होकर लौट जाती है, किन्तु विश्वास तो अपने अन्दर ही निवास करता है, उसे किसी प्रकार का भय नहीं है।*

**-रवींद्रनाथ टैगोर**

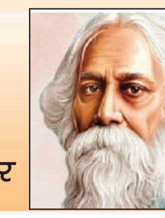

*कहा जाता है कि बिना कुछ किए तो सोने की खदान भी खाली हो जाती है। उसका बेटा लक्ष्मी लाल भी उन्हीं के नक्शेकदमों पर चलता रहा। देखते-देखते परिवार बढ़ा और लोगों की जरूरत भी। अब बच्चों की पढ़ाई, घर की सारी आवश्यकताओं को पूरा करना संभव नहीं हो पाता।*

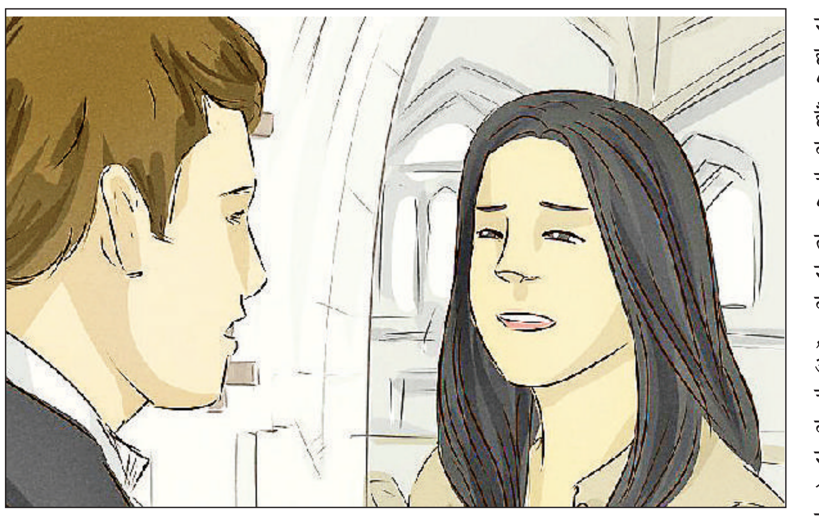

**कहानी | डोली शाह**

## स्मरण

गंगा प्रसाद बचपन से ही एक रईस दबंग खानदान से ताल्लुक रखता था। वह पुरखों की बनाई हुई चाय बागान की ही थोड़ी बहुत देखभाल करता और अपना जीवन व्यतीत करता। वह कम पैसों में ही बंजर पड़ी जमीन को जरूरतमंदों को समझा देता, लेकिन जिस तरह कहा जाता है कि बिना कुछ किए तो सोने की खदान भी खाली हो जाती है। उसका बेटा लक्ष्मी लाल भी उन्हीं के नक्शेकदमों पर चलता रहा। सोचता किसी न किसी तरह आखिर पेट तो भर ही जाएगा। देखते-देखते परिवार बढ़ा और

लोगों की जरूरत भी। अब बच्चों की पढ़ाई, घर की जरूरतें, राशन- पानी, सारी आवश्यकताओं को पूरा करना संभव नहीं हो पाता। तभी उसने एक छोटी सी पंक्ति खोली लेकिन वहां भी खरीदार से ज्यादा टाइम पास करने वालों का ही तांता लगा रहता। एक दिन बेटा टिंकू अपने दोस्तों के साथ चाय बागान पहुंचा। चलते-चलते वह बागान के अंतिम छोर तक पहुंचने ही वाला था कि टिंकू ने कहा-यार! मैं तो थक गया और चलना मेरे बस में नहीं! अन्य दोस्त ने कहा 'इतनी जल्दी!'

'हां फिर तो यदि पूरा बागान होता तो कभी जा ही ना पाते।' 'क्या?' 'हां, वह तो लोगों के बसने के कारण इतनी छोटी हो गई है। यह सारा जो दाढ़ी वालों की बस्ती है,पहले लक्ष्मी अंकल का ही था।'

'सचमुच।' 'हां,कभी अपने पापा से पूछकर देखना, पहले जितनी जमीन अभी होती तो तुम लोगों की शायद पैसे रखने की भी जगह ना होती। वह तो दूसरों को देने के कारण खेती की जमीन छोटी हो गई और उर्वरता कम होकर दिन प्रतिदिन फसलें भी कम होती जा रही हैं। टिंकू ने घर पहुंचते ही पूछा, 'पापा हमारे बागान के उत्तर की तरफ जो मकान है क्या वह हमारी जमीन थी।' 'हां बेटा , तुम्हारे दादाजी बहुत दयालु थे, जब भी कोई उनसे अपना दुखड़ा कहता, वह उसे सही मान लेते और ऐसा करके ही उन्होंने पूरी जमीन का आधा हिस्सा औरों में ही बांट दिया है।'

'पापा फिर आपने कुछ कभी कहा नहीं?'

'क्या कहूं उन दाढ़ी वालों को, किसी से कहने भी जाओ तो कहते हैं हमें गंगा प्रसाद जी ने दिया है।' 'तो क्या उन्होंने कागजी दस्तावेजों पर भी अपना हाथ साध लिया है?' ' हां,अपनी तरफ से उन्होंने थोड़ा बहुत जुगाड़ तो कर ही लिया है।'

इतने में एक कर्मचारी पूरे दिन का हिसाब किताब लेकर लक्ष्मी लाल जी के पास पहुंचा। बातों-बातों में उसने बताया, 'इरफान के घर के आगे दो-तीन दिनों से एक पक्के मकान की नींव दी जा रही है। आज पूछा तो पता चला कि 'वहां एक मस्जिद के निर्माण की तैयारी चल रही है।'

'क्या?' 'हां साहब, उनकी मंशा तो बढ़ती ही जा रही है। इन्हें रोकना होगा लेकिन ठंडे दिमाग से! वह सैकड़ों वर्षों से रहते हैं। मैंने कुछ नहीं कहा लेकिन आज उन्हें रोकना होगा।' अगले दिन प्रातःकाल लक्ष्मी लाल वहां पहुंचा। 'अरे! साहब, आप अचानक यहां कैसे!'

'नहीं बस यूं ही, बहुत दिन हो गए थे तो देखने आ गए।' 'लेकिन इरफान तुम यह यहां क्या बनवा रहे हो, पहले कच्चे मकान की जगह पक्के मकान तक तो कोई बात नहीं, लेकिन अब हम किसी धर्म स्थान की इजाजत नहीं देंगे।'

'क्यों यह हमारी जमीन है, हम चाहे जो भी करें।'

'इरफान यह तुम भी बखूबी जानते हो और मैं भी..., देखो मैं कोई झगड़ा-झंझट नहीं चाहता, लेकिन मैं यहां कोई कम्युनल बिल्डिंग बनने नहीं दूंगा! ना कोई मंदिर, ना कोई मस्जिद, चाहे कुछ भी हो जाए।' 'लेकिन क्यों' 'किसी और की जमीन पर रहने से वह अपनी नहीं हो जाती।'

'देखते हैं हमें कौन रोकता है बनवाने से' इरफान ने गुस्से में लाल-पीला होकर कहा। टिंकू ने जाकर पुलिस में केस दर्ज कर दिया जिससे मामला काफी गंभीर हो गया। नामौजदूगी की वजह से केस कोर्ट तक पहुंच गया। तारीख- पर-तारीख करते काफी वक्त गुजर गया। पिता की उम्र देख अब टिंकू ही हर दिन पढ़ाई से बचे समय में ही चाय बागान देखने जाता। इरफान की बेटी फराह भी इस बागान में पत्ती तोड़ने आती। उसका पतला, लंबा, छरहरा बदन रूप-रंग, गठन, मानो देखते ही बनता था। टीकू भी उसे बड़े ध्यान से देखता। वह उससे बातें करने का प्रयास भी करता, लेकिन वक्त ने कभी साथ नहीं दिया। एक तरफ मालिक तो दूसरी तरफ कर्मचारी..! एक दिन टिंकू कर्मचारियों को वेतन दे ही रहा था कि फराह कुछ देर से पहुंची। टिंकू ने मौका देख उससे पूछा 'आज इतनी देर से तुम?''हां ! घर का कुछ काम करने लगी थी, कोई बात नहीं...' पूरा दफ्तर सन्नाटा हो चुका था। इस सप्ताह कितने दिन काम किया था?' 'पूरे 6 दिन साहब।' 'लेकिन फराह, तुम्हें थोड़ा इंतजार करना होगा!'

'क्यों साहब?' 'मैंने भांगीलाल को छुट्टे लाने भेजा है। आता ही होगा!' फराह की चुप्पी देख वह खुद को रोक नहीं पाया। बोला, 'क्या बात है, इतनी चुप्पी?' 'कुछ तो बोलो अकेले हैं हम।'

'क्या बोलूं?' 'कितनी पढ़ाई की है तुमने?' 'दसवीं तक, फिर छोड़ दिया।' 'पढ़ने का मन नहीं करता साहब!' 'तुम चाय बागान में काम मत किया करो!' 'क्यों?' 'ऐसे ही।' 'अच्छा नहीं लगता ,तुम्हें काम करते देखकर।' 'लेकिन साहब केवल अब्बू की कमाई से भोजन-पानी, पढ़ाई का खर्च चलाना मुश्किल हो जाता है, जिससे मुझे भी काम करना पड़ता है।' टिंकू उसे टकटकी लगाए देखता रहा । फराह नजर झुकाए बैठी थी। 'क्यों लेकिन 12वीं तक की पढ़ाई के सारे खर्चे तो सरकार मुफ्त ही दे रही है सिर्फ विद्यार्थियों का मन होना चाहिए। तुम कहो तो अब्बू से बात करूं? 'करिए ...लेकिन लगता नहीं कि अब्बू मानेंगे।' इतने में भांगीलाल छुट्टे लेकर पहुंचा। टिंकू ने फराह को 1200 रुपये थमाए। मन ना होते हुए भी उसे जाना पड़ा। टिंकू मन ही मन चिंतित हुआ कि कुछ दिन पहले ही झगड़ा और फिर मैं यह सब क्या सोच रहा हूं ,कैसे बोलूंगा। फिर एक दिन वह कुछ दोस्तों के साथ फराह के घर पहुंचा। अब्बू अवाक होकर बोले, 'अब यहां तुम! यहां क्यों आए हो!' 'यूं ही बस। चाचा जी! केरल सरकार ने चाय जनजाति की बालिकाओं को नयी योजना में 12वीं तक की शिक्षा केलिए बिल्कुल मुफ्त शिक्षा नीति प्रारंभ की है। यहां तक कि रहने-खाने की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी और यदि अच्छे नंबरों से पास किया तो मुफ्त स्कूटी तक प्रदान की जाएगी। सचमुच यदि हमारे गांव की लड़कियों को स्कूटी की सुविधा मिल गई तो कितना गौरव बढ़ेगा। 'फराह ने तो दसवीं तक पढ़ाई कर छोड़ ही दिया।'

'अब भी कुछ देर नहीं हुई, मन हो तो वह पढ़ सकती है।' 'हां बात तो तुम सही कह रहे, पता करके सारी स्कीम की जानकारी मुझे दो।'

'जी जरूर। उसने उसका 11वीं में दाखिला भी करा दिया। अब टिंकू रोज प्रातःकाल चाय बागान से होकर ही कॉलेज जाता जिससे दोनों को एक दूसरे की आदत-सी पड़ गई। कोर्ट में कार्रवाई के लिए तारीख पर तारीख। उधर दोनों के बीच रिश्ते को आगे बढ़ाने का वादा। अब टिंकू को अजहर के खिलाफ कोर्ट में गवाही के लिए खड़े होने में बड़ा अटपटा सा लगता। तभी एक दिन बातों ही बातों में फराह ने टिंकू से कहा 'हमारे गांव में ऐसी कोई जगह नहीं जहां थोड़ी देर अकेले बैठकर समय व्यतीत किया जा सके।' 'अरे! फरहा, समय है किसके पास!' 'फिर भी मन तो होता है, कभी कुछ वक्त अपने साथ, प्रकृति के साथ बिताने का।' 'है तो अपना चाय बागान!' 'अरे ! दोस्त! वहां भी तो हर टाइम कर्मचारी ही रहते हैं।'

'बात तो तुम्हारी सही ही है।'

टिंकू मन ही मन सोचता रहा इतने में फराह बोली 'क्यों ना हमारे अब्बू ने जहां मस्जिद के लिए निर्माण कार्य शुरू किया था वहीं उनकी गुजारिश से एक ओर पार्क का निर्माण कराया जाए।'

'हां ,सचमुच।' 'लेकिन टिंकू इस बात को तुम पहले अब्बू को बोलना!' टिंकू ने अगले दिन ही इरफान के पास अपनी इच्छा प्रकट की, 'चाचा जी अब बाबूजी अक्सर अस्वस्थ ही रहते हैं और अकेले मुझसे केस -फौजदारी होगा नहीं।'

'तो क्या कहना चाहते हो?'

'चाचा जी क्यों ना हम उसी जमीन पर एक छोटे से पार्क का निर्माण करायें, जिससे कुछ देर तो इंसान प्रकृति के बीच रह सके, अपने आप से बातें कर सके और जगह जमीन लेकर क्या लड़ना-झगड़ना। सब को तो खाली हाथ ही जाना होगा।'

इतने में फराह चाय लेकर पहुंची- 'अब्बू चाय।'

चाय पीकर उठते हुए पिंटू ने कहा, 'चाचा जी मैं चलता हूं लेकिन मेरी बातों पर विचार जरूर कीजिएगा, क्योंकि गांव में एक पार्क यदि हो जाए तो पूरे गांव का विकास भी होगा।' यह बात ज्यों ही इरफ़ान ने घर पर बताई, 'बताएं?' फराह फौरन बोली । 'अब्बू यह बहुत अच्छा विचार है, पार्क होगा तो बाहर से लोगों का आना-जाना भी होगा। संस्कृति का आदान-प्रदान भी होगा। अब्बू ना मत करो! प्लीज ,यह तो गोल्डन ऑपच्यरुनिटी है,अब्बू अपनी स्मृति बनाने के लिए।

सोचिए ना, मस्जिद बनती तो सिर्फ वहां हमारे ही धर्म के लोग आते, लेकिन पार्क में तो हर धर्म समुदाय के लोग आएंगे। सबके बीच आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी।' इरफान बेटी की बातों को ना नहीं कर सका। बोला, 'अच्छा तुम लोगों की मर्जी।'

फराह ने फौरन यह सूचना टिंकू को दी। टिंकू ने भी अपने घर पर सारी बातें बताई। वह अगले दिन ही प्रातः काल बागान पहुंच टिंकू ने पूछा, 'इरफान साहब! क्या सोचा मेरी बातों पर?' 'चलो ठीक है। लेकिन मैं ने तो मस्जिद के लिए इस जमीन पर एन ओ सी लिया था। अब कोर्ट की कागजी कार्रवाई सिर्फ तुम्हें ही करनी होगी।' आप हां तो कीजिए, बाकी सब हम देख लेंगे।' 'लेकिन एक शर्त है क्या इसमें मेरा भी नाम रहेगा।' 'अच्छा चलिए वह भी मान लिया।'टिंकू वहां से चल दिया। वह घर आकर ही फौरन कॉलेज पहुंचा । फराह से मिलकर बोला, 'हमारी मेहनत रंग ला गई। तुम्हारे अब्बू ने मुझे पार्क के लिए कागजी कार्रवाई तैयार करने को बोला है।' यह सुन दोनों के चेहरे पर एक सांत्वना की खुशी की लहर दौड़ गई। 'सचमुच कभी सोचा नहीं था कि अब्बू मान जाएंगे। इसलिए तो कहा जाता है प्रयास ही सफलता की पूंजी है, सच्ची अब हमारे रिश्ते भी प्रयास के बदौलत ही सफल होंगे।' हां इतना कह के दोनों जोर से हँस पड़े।

*(लेखिका शिक्षिका एवं साहित्यकार हैं)*

**कविता | नृपेन्द्र अभिषेक नृप**

### उन्हें अब वक्त नहीं

ये दुनिया बड़ी निष्ठुर है
जिन पर आप
अपनी जान छिड़कते हैं
वे वक्त आते ही बदल जाते हैं

जिनके लिए आपका
हर पल होता है
उन्हें वक्त नहीं होता
जब उनका वक्त आता है
जिनके जीवन का
आधार थे कभी आप
एक वक्त के बाद उनके
आधार भी बदल जाते हैं

स्तम्भ के सानिध्य में
आपके रिश्तों को भी
वे तोड़ जाते हैं
क्योंकि अब उनके पास
वक्त नहीं है आपके लिए
आपके सपनों के लिए
आपके अपनों के लिए
और आपके रिश्तों के लिए

दुनिया की रीत है यही
लोग आपके वक्त को देख
अपना वक्त बदल लेते हैं।

**कविता | निधि राठी**

### खुशनुमा

हर रोज थोड़ा संवरती है, थोड़ा संभलती है,
इतराती है, आईने से बातें करती है,
हवा सी उड़ती है, खुशनुमा सी हस्ती है,
मिजाज गरम है, लहजा नरम है,
हार जाएगी, ये तुम्हारा भ्रम है,
खिलखिला कर निकल जाती है वो इन तंग गलियों से,
कुछ ऐसे खुदा के उसे पर कर्म है।

पुराने ख्यालों की लड़की है,
हल्की सी बिंदी और गजरे से अपने बालों को सजाती है,
आसमान से बातें करती है, चांद के संग ठहाके लगाती है, सितारों से बहस करती है, सूरज को मात देती है,
यूं तो फूल सी नाजुक है पर कांटों से भिड़ जाती है,
यूं ही लोग उसे माया नहीं कहते,
वो अपनी मोहब्बत से पत्थर में जान डाल जाती है।

बड़ी गहरी बातें करती है, प्रेम में विश्वास रखती है,
अजीज बना ले अगर किसी को,
तो दिल की बेहद गरीब रखती है,
ठोकरें खाती है, फिर उठ जाती है,
कई बार अपनों से ही मार खाती है,
आहट तक नहीं आती उसकी तकलीफ़ के शोर से,
कुछ इस कदर अपने जज़्बातों को संभाल कर रखती है।

**लघुकथा | अम्बिका कुमारी कुशवाहा**

### रिश्ते

गुप्ता जी बड़ी देर से बालकनी में टहल रहे थे। काफी चिंतित दिख रहे थे और बार बार मेन गेट की ओर देखे जा रहे थे। तभी उनकी पत्नी साधना जी चाय लेकर आती है और कहती है 'क्यों इतना परेशान हो रहे हो? थोड़ी देर कुर्सी पर बैठ भी जाओ। गुप्ता जी ने एक गहरी सांस ली और वही कुर्सी पर बैठ चाय पीने लगे।

गुप्ता जी की चिंता का कारण उनकी बेटी पायल जो आज ही अपने ससुराल से आ रही है। गुप्ता जी का छोटा बेटा उसे लाने गया है। तभी मेन गेट खुलता है गुप्ता जी की बेटी पायल अपने भाई स्वराज के साथ घर में आती है। गुप्ता जी और उनकी पत्नी बेटी का हाल चाल लेते है उसके तुरंत बाद पायल अपने पुराने कमरे में चली जाती है। गुप्ता जी पत्नी बेटी के लिए खाना बनाने को कह किचन में चली जाती है। गुप्ता जी फिर से कुर्सी पर बैठ गहरी सोच में डूब जाते है। गुप्ता जी ने अपनी बेटी पायल को काफी पढ़ाया लिखाया था पायल एक सॉफ्टवेयर कंपनी में जॉब भी करती थी। गुप्ता जी ने बेटी का विवाह एक प्रतिष्ठित परिवार में किया था। पायल का पति एक अच्छे पद पर कार्यरत है। लेकिन शादी के कुछ दिनों बाद ही पायल ने अपनी नौकरी छोड़ दी। लेकिन क्यू?? ये पायल ने अपने मां बाप को बताया नही। जब हदें पार कर गई, पायल का पति उसे अनेक तरह से प्रताड़ित करने लगा तब पायल ने अलग होने का फैसला लिया। और मां पापा को बताया की वो वापस आ रही है। बेटी के रिश्तों को बचाने के लिए मां बाप ने भी काफी कोशिश की लेकिन कोई हल नहीं निकला। पायल पूरी तरह टूट चुकी थी। स्त्रियां जो होती है वो अंत तक कोशिश करती है रिश्तों को बचाने की। रिश्ते महज उनके लिए रिश्ते नही बल्कि उनकी भावनाओं के साथ एक जुड़ाव होता है। अलग होने के फैसला बहुत कठिन होता है लेकिन जब रिश्तों की बुनियाद खत्म हो जाती है तब कुछ बचाने को बचा नही होता है। और उस रिश्ते से बाहर निकल जाना ही एक रास्ता बचा होता है। गुप्ता जी और उनकी पत्नी भी बेटी की तकलीफों के आगे बेबस थे। फिर भी बेटी को हौसला देने को खड़े है। समाज ऐसा है की लड़कों का अतीत महज एक कहानी होती है लेकिन लड़कियों का अतीत कलंक बन जाता है। गुप्ता जी कुर्सी से उठकर बेटी के कमरे की ओर गए साथ में उनकी पत्नी भी पीछे से नाश्ता लेकर गई।

**साहित्य हमें सही रास्ता दिखाता है। श्रेष्ठ साहित्य आत्मविश्वास बढ़ाता है तथा तनावमुक्त बनाता है। इसलिए हमें पढ़ने की आदत डालनी चाहिए। लोगों की पढ़ने की आदत छूट रही है, किंतु अब भी अच्छा साहित्य पढ़ने वाले बहुत हैं। कुछ लोग मोबाइल का सहारा लेकर पढ़ लेते हैं। आज के युग ऑनलाइन साहित्य पढ़ा जा रहा है। पुस्तकें खरीदने का चलन एक तरह से खत्म हो गया है।**

**साक्षात्कार | शशि कांत चौहान**

## कालजयी रचनाओं की कमी से साहित्य के पाठक हुए कम: डॉ सुमन

कालजयी और स्तरीय लेखन में कमी आने से युवाओं ही नहीं, बल्कि हर उम्र के पाठक वर्ग में कमी आई है। अच्छा साहित्य पढ़ने को मिले तो सभी की रुचि होगी और साहित्य पढ़ने के प्रति प्रेरित होंगे। यह कहना है महिला साहित्यकार डॉ. डॉ सुमन कादयान का।

वह कहती हैं कि युवाओं में साहित्य के प्रति रुचि कम होने का दूसरा बड़ा कारण यह है कि आज उसके सामने धनोपर्जन की बड़ी चुनौतियां है। आज युवा सबसे पहले आजीविका कमाने का साधन ढूंढने को प्राथमिकता देता है। इतना ही नहीं कमाई का एक नहीं वह कई इनकम सोर्स चाहता है, इसलिए वह साहित्य पढ़ने को कम तवज्जो दे रहा है। आज का युवा रोजगार के चक्कर में संस्कृति, प्रकृति और कला से भी विमुख हो गया है, यही कारण है कि वह असंवेदनशील हो गया।

आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति ठीक है। हम जानते हैं कि लोगों की पढ़ने की आदत छूट रही है, किंतु अब भी अच्छा साहित्य पढ़ने वाले बहुत हैं। कुछ लोग मोबाइल का सहारा लेकर पढ़ लेते हैं। आज के युग ऑनलाइन साहित्य पढ़ा जा रहा है। पुस्तकें खरीदने का चलन एक तरह से खत्म हो गया है। साहित्य की महत्ता कभी खत्म नहीं हो सकती। 25 फरवरी 1972 को रोहतक जिले के कंसाला गांव में जन्मी सुमन के पिता रामधारी सिंह खोखर रोहतक जाट स्कूल में गणित में अंग्रेजी के शिक्षक थे। माता धनपति देवी गृहिणी थी। हालांकि परिवार में साहित्य से किसी का जुड़ाव नहीं था। भाई-बहन भी साहित्य से नहीं जुड़े हुए थे, लेकिन पढ़ने में सबकी रुचि थी। बचपन से ही बहुत कुछ लिखने की इच्छा थी किंतु घर का माहौल साहित्यिक नहीं था। शादी के बाद उन्हें साहित्यिक माहौल मिला तो उनके अंदर का साहित्यकार सक्रिय हो गया तथा लिखना आरंभ किया। एक बार लेखन शुरू किया तो फिर कलम रुकी ही नहीं। डॉ सुमन कादयान का साहित्य के बारे में मानना है कि साहित्य हमें सही रास्ता दिखाता है। श्रेष्ठ साहित्य आत्मविश्वास बढ़ाता है तथा तनावमुक्त बनाता है। इसलिए हमें पढ़ने की आदत डालनी चाहिए। लोक साहित्य में रुचि कैसे पैदा हुई इस बारे में उन्होंने बताया कि वैसे तो लोक साहित्य व संस्कृति में मेरी बचपन से ही रुचि थी, किन्तु शादी के बाद पति साहित्यकार डॉ ओमप्रकाश कादयान का साहित्य एवं लोक संस्कृति के प्रति समर्पण भाव देखकर उचित माहौल मिल गया।

पहले लेख लिखे फिर कविताएं आरम्भ की। डॉ सुमन कादयान के लेखन का फोकस लोक साहित्य पर है। वे आसपास एकत्रित हुई औरतों से लोक साहित्य संग्रह कर लेती हैं। उनकी पहली कविता थी- ***यादों के समंदर में डूब जाने को जी चाहता है***
***उसमें से मोती निकालने को जी चाहता है***
***काश! कोई लौटा दे वो सुंदर-सा बचपन मेरा***
***दोबारा जिंदगी जीने को जी चाहता है।***

साहित्य लिखते-लिखते आकाशवाणी केंद्र से बहुत-सी वार्ताएं व कार्यक्रम प्रसारित हुए तो अच्छा लगा। लेखन में कठिनाई कोई नहीं आई। उनके आलेख अधिकतर हरियाणवी लोककला, संस्कृति व सांस्कृतिक विरासत पर रहे हैं। इसके अलावा कुछ सामाजिक मुद्दों पर लिखनी चली। कविताएं प्रकृति, संस्कृति व प्रेम पर आधारित रही हैं। सुमन की आरम्भिक शिक्षा जाट स्कूल, रोहतक, फिर आईसी महिला महाविद्यालय से स्नातक तथा आगे की पढ़ाई कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय,से हुई। ये हेलना कौशिक महिला महाविद्यालय, मलसीसर (झुंझनू) में हिन्दी की सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत थी। घर से अधिक दूर होने के कारण नौकरी छोड़ दी। वर्तमान में ये ओम स्ट्रलिंग ग्लोबल यूनिवर्सिटी, हिसार में सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं।

### प्रकाशित पुस्तकें

डॉ सुमन कादयान की हरियाणा के संस्कार गीत, हरियाणा की सांस्कृतिक विरासत, देवी शंकर प्रभाकर : बहुमुखी प्रतिभा के धनी, चिलमन से झांकती निगाहें, उसकी चाहतों का समन्दर, माट्टी की खुश्बू, महकता मधुमास, कतरा कतरा जिंदगी, रास्तों की शुरुआत और सुलगते जज्बाज आदि ग्यारह पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। इसके अलावा इनकी रचनाएं देशभर के विभिन्न पत्र पत्रिकाओं और समाचारों में प्रकाशित होती हैं तथा रोहतक, कुरुक्षेत्र तथा हिसार आकाशवाणी से वार्ताएं प्रसारित हुई हैं।

डॉ सुमन कादयान

### पुरस्कार व सम्मान

डॉ सुमन कादयान देवीशंकर प्रभाकर अवार्ड, पंजाब कला साहित्य अकादमी पंजाब का विशेष अकादमी सम्मान, निराला कला साहित्य संस्थान, बस्ती (यूपी) से 'राष्ट्रीय साहित्य गौरव' सम्मान, विक्रमशिला हिन्दी विद्यापीठ, भागलपुर (बिहार) द्वारा 'साहित्य शिरोमणि' सम्मान के साथ-साथ अनेक संस्थाओं द्वारा सम्मानित हो चुकी हैं। जिसमें रानी लक्ष्मीबाई सम्मान, कवि त्रिलोचन सम्मान एस-एफ-वाई-डी- (दिल्ली) द्वारा प्रदान किये गए। फोटोग्राफी में हरियाणा लोक सम्पर्क विभाग तथा उच्चतर शिक्षा विभाग, हरियाणा भी सम्मान पा चुकी हैं।

### व्यक्तिगत परिचय

**नामः** डॉ सुमन कादयान
**जन्मतिथिः** 25 फरवरी 1972
**जन्म स्थानः** कंसाला रोहतक (हरियाणा)
**शिक्षाः** एम.ए. हिन्दी, पी.एच.डी. डी लिट मानद (विक्रमशिला हिन्दी विद्यापीठ) भागलपुर बिहार

## सृजनशील व्यक्ति को बार-बार आना चाहिए

**पुस्तक समीक्षा | दिनेश दिनकर**

**पुस्तक : मैं फिर आऊंगा**
**लेखक : लक्ष्मीनारायण पांचाल**
**मूल्य : 200 रुपये**
**प्रकाशक : सुलेखा प्रकाशन**

दस पुस्तकों के पन्नों पर कलम और चित्रकारी के हजारों पन्नों पर रंग की कूची चलाने वाले सृजनशील व्यक्ति लक्ष्मीनारायण पांचाल जी अपनी आत्मकथा के रूप में ग्यारहवीं पुस्तक 'मैं फिर आऊंगा' के साथ पाठकों के समक्ष उपस्थित हैं। उम्र और सृजन क्षेत्र में छह दशक बिता चुके वरिष्ठ कवि, लेखक और कला अध्यापक रहे पांचाल जी अपने अनुभवों को निचोड़ते हुए एक सार्थक आत्मकथा के रूप में प्रस्तुत करने में निश्चित रूप से सफल रहे हैं। पुस्तक में दस अध्यायों में अपने बचपन से लेकर पुस्तक छपने तक के निजी जीवन, शैक्षणिक जीवन, परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति अपने अनुभवों, दायित्वों, विचारों को बेहद शालीनता के साथ यहां क्रमबद्ध किया गया है। लेखक ने अपनी उपलब्धियों के साथ-साथ एक कुशल सृजनशील का परिचय देते हुए अपनी कमियों और समाज में सुधारों की ओर भी अपनी कलम को आजाद रखा है।

'मैं फिर आऊंगा' आत्मकथा में 70-80 के दशक की जीवनशैली से अनभिज्ञ पाठक जब लक्ष्मीनारायण की दिनचर्या को पढ़ते हैं, पुस्तक में संकलित इनकी यात्रा वृत्तांत को पढ़ते हुए इसमें शामिल होते हैं तो लगता है मानो सामने कोई चलचित्र चल रहा हो। इस बात का जिक्र आत्मकथा में लेखक की पोती अवन्तिका भी करती रहती है। यहां शब्दों के चयन, लेखक के साहित्यिक अनुभव की तारीफ करना एक कृतज्ञता लगता है। जवाहर नवोदय विद्यालय में कला अध्यापक के पद पर रहते हुए लेखक को भारत के भिन्न-भिन्न प्रदेशों में पोस्टिंग, अलग-अलग तरह के विचारों के विद्यार्थियों, शिक्षकों और लोगों से मिलने का अवसर मिलता रहा है। जिसके परिणामस्वरूप यहां आत्मकथा में घटनाओं, अनुभवों और उपलब्धियों में अधिकता देखने को मिलती है। निश्चित रूप से जवाहर नवोदय विद्यालय से संबंध रखने वाले लाखों विद्यार्थी और स्टाफ के साथ कला और साहित्य प्रेमियों के लिए यह पुस्तक एक ऐतिहासिक धरोहर के रूप में अपनी पहचान बनाएगी।

यहां कहना अतिश्योक्ति होगा कि निजी जीवन, परिवार, समाज, शिक्षा, देश की संस्कृति, तकनीक, पारिवारिक संस्कार और एक नागरिक होने के प्रति जिम्मेदारी इत्यादि को लेकर सच्चाई से परिचय करवाते हुए रेखांकित घटनाओं में काल्पनिकता का अभाव है जिससे पाठक इस आत्मकथा और यात्रा वृत्तांत से अपनापन महसूस करेंगे।

## साहित्यकारों के जीवन में झांकती किताब

**पुस्तक समीक्षा | अरुण कुमार कैहरबा**

**पुस्तक : आत्मकथाएं: साहित्यिक परिवेश**
**लेखक : डॉ. सुरेन्द्र कुमार**
**मूल्य : 300 रुपये**
**प्रकाशक : कलमकार पब्लिशर्स**

डॉ. सुरेन्द्र कुमार की 'आत्मकथाएं: साहित्यिक परिवेश' साहित्यकारों के जीवन में झांकने वाली एक बेहतरीन किताब है। रामदरस मिश्र, हंसराज रहबर, हरिवंश राय बच्चन, गोपाल प्रसाद व्यास, उपेन्द्रनाथ अश्क, डॉ. नगेन्द्र, रामविलास शर्मा, काका हाथरसी, ओम प्रकाश वाल्मिकी सहित कितने ही साहित्यकारों की आत्मकथाओं के जरिये उनके प्रसंग इस किताब में संजोए गए हैं। साहित्यकारों के आपसी संबंधों और विशेष घटनाओं का किताब में विवरण ही नहीं है, बल्कि उनके साहित्य के प्रेरक तत्वों की समीक्षा भी है। किताब को छह अध्यायों में बांटा गया है, जिनमें पहला अध्याय 'काव्य लेखन का साहित्यिक परिवेश' है। यह अध्याय किताब के सबसे अधिक पन्ने ले गया है। इसका एक कारण तो यह लगता है कि लेखक की कवियों व उनकी कविताओं में दिलचस्पी है। दूसरा कारण यह भी लगता है कि पुस्तक का हिस्सा बने अधिकतर साहित्यकार लेखन की शुरूआत काव्य लेखन से ही करते हुए दिखाई देते हैं। लेखक कहता है- 'बच्चन, नगेन्द्र, अमृतलाल नागर, गोपाल प्रसाद व्यास, बेचन शर्मा उग्र, काका हाथरसी, निराला प्रायः सभी रचनाकारों ने काव्य लेखन के द्वारा ही साहित्य के क्षेत्र में कदम रखा। विभिन्न कवियों के काव्य-संग्रह और उनके समय के कवि सम्मेलन साहित्य और कविता के लिए माहौल का निर्माण करते हुए लोगों में चेतना का निर्माण कर रही थी।दूसरे अध्याय 'गद्य लेखन का साहित्यिक परिवेश' में कहानी, उपन्यास और नाटक आदि गद्य विधाओं पर आधारित किताबों के प्रसंग पढ़ने को मिलते हैं। 'साहित्यिक परिवेश व हिन्दी भाषा', 'साहित्यकारों का फक्कड़पन और पत्रकारिता', 'आलोचना की पृष्ठभूमि' और 'अनुवाद से संवाद' शीर्षक अध्याय अपनी संक्षिप्तता व सारगर्भिता के कारण पाठकों पर विशेष प्रभाव अंकित करते हैं।

पूरी किताब विभिन्न किताबों का निचोड़ प्रस्तुत करती है और पाठकों को साहित्यकारों के जीवन, उनकी बहुविध रचनाओं की पृष्ठभूमि के साथ ही अनूठा रसास्वादन करवाती है। लेखक को उनकी बेहतरीन किताब के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ। आशा है उनकी रचनात्मकता यूं ही विकास करेगी और आगामी किताबों में पाठकों को दिखाई देगी।

## खबर संक्षेप

महेंद्रगढ़। शिविर के दौरान मरीजों की नेत्र जांच करते पूर्व सीएमओ डॉ. ओपी आर्य। फोटो : हरिभूमि

### शिविर में 265 मरीजों के नेत्र की हुई जांच

महेंद्रगढ़। गांव खातोद व निम्भेड़ा में संजीवनी आॅई हॉस्पिटल के सौजन्य से निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पूर्व सीएमओ डॉ. ओपी आर्य द्वारा पढ़ने वाले बच्चों को भी मोबाइल व धूम्रपान से दूर रहने की हिदायत भी दी। डॉ. आर्य ने बताया कि आजकल मोबाइल की वजह से पढ़ने वाले बच्चों में आंखों की समस्याएं बहुत ज्यादा आ रही हैं, जिसकी वजह से क्षेत्र के गांवों में निशुल्क कैंप का आयोजन किया जा रहा है। कैंप का उद्देश्य जरूरतमंद की मदद करना है।

### भगवान श्रीकृष्ण के मौजूद होने के साक्ष्यः महाराज

नारनौल। स्वामी हरिदास पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी राधा प्रसाद देव महाराज ने रविवार को एडवोकेट अनिल गुप्ता के कार्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर परम पूज्य स्वामी हरिदास पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी राधा प्रसाद देव महाराज का स्वागत चित्रपट व पटका पहनाकर किया गया। इस अवसर पर उनके साथ आए श्रीकृष्ण जन्मभूमि न्यास के मार्गदर्शक महंत मोहिनी बिहारी शरण महाराज ने कहा कि 13.7 एकड़ भूमि भगवान केशव देव की है।

### अधिकारियों को शिकायत के बाद भी नहीं हो रहा समाधान

महेंद्रगढ़। गांव खायरा के हनुमान मंदिर के पास सतनाली रोड पर मोटी मधुमक्खियों के 8 से 10 छते लगे हुए हैं, जिस कारण अनेक बार स्थानीय निवासियों व राहगीरों को परेशानी उठानी पड़ती है। इसको लेकर गांव खायरा निवासी राकेश कुमार ने जिला उपायुक्त व एसडीएम को भी शिकायत देने के बावजूद भी कोई समाधान नहीं हुआ। राकेश कुमार ने बताया कि जहां पर लगभग 8 से 10 परिवार रहते हैं। इन मधुमक्खियां ने कई बार यहां के निवासियों व उनके पशुओं को काटा है। इस सड़क मार्ग से अनेकों गांवो के ग्रामीणों तथा स्कूली बच्चों का आवागमन होता है। शिकायतकर्ता ने प्रशासन से इन मधुमक्खियां के छतों को हटाने की मांग की है।

### सलामपुरा में हनुमान जयंती पर भंडारा कल

नारनौल। श्री हनुमान जन्मोत्सव पर सलामपुरा युवा संगठन की ओर से हनुमान मंदिर में रामचरित मानस पाठ, हवन व भंडारे का आयोजन 23 को अप्रैल को किया जाएगा। उक्त जानकारी देते हुए संगठन के प्रधान ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सलामपुरा युवा संगठन हनुमान मंदिर सलामपुरा में रामचरित मानस पाठ, यज्ञ व भंडारे का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 22 अप्रैल को रामचरित मानस पाठ शुरू किया जाएगा व 23 अप्रैल को प्रातः नौ बजे पंडितों की ओर से यज्ञ का आयोजन किया जाएगा। प्रधान ने बताया कि 11:15 बजे पूर्ण आहुति के पश्चात भोग आरती होगी।

### शिवाजी नगर में किया सुंदरकांड पाठ

नारनौल। श्री मेहंदीपुर बालाजी मित्र मंडल के तत्वावधान में शनिवार रात को मोहल्ला शिवाजीनगर में लक्ष्मी नारायण हनुमान मंदिर में सुंदरकांड पाठ किया गया। जिसके मुख्य यजमल अजय सिंगला थे। सर्वप्रथम बाबा की ज्योत प्रज्वलित कर गणेश वंदना, हनुमान चालीसा व रामधुन के साथ सुंदरकांड पाठ का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल के प्रधान महावीर प्रसाद अग्रवाल ने की। राजेश सोनी ने रंग-बिरंगे फूलों से बालाजी महाराज का भव्य दरबार सजाया। इस अवसर पर गौरीशंकर शर्मा, महावीर प्रसाद अग्रवाल, संजय अग्रवाल, राजेश सोनी, शिवशंकर अग्रवाल, विजय हल्दिया, संजय शर्मा, आदि मौजूद थे।

## गुरु वचनों पर चलना ही भक्ति : संत

# जात-पांत से ऊपर उठकर प्यार करना ही इंसानियत

भिवानी। निरंकारी सत्संग भवन में प्रवचन देते संत लखविंद्र सिंह। फोटो : हरिभूमि

**संत निरंकारी सत्संग भवन में विशेष सत्संग कार्यक्रम का आयोजन**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

हांसी गेट स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन में रविवार को विशेष सत्संग कार्यक्रम आयोजित किया, जिसकी अध्यक्षता रोहतक से पधारे ज्ञान प्रचारक महात्मा लखविंदर सिंह रंगीला ने की। इस अवसर पर भिवानी व आसपास के क्षेत्रों से निरंकारी महात्मा व अन्य प्रभुप्रेमी सज्जन शामिल हुए। कार्यक्रम में विशेष रुप से रोहतक से डॉ. सत्यप्रकाश एवं संजय नासा,ढाणा लाडनपुर आश्रम से दलबीरानंद उपस्थित हुए।

भिवानी जोनल इंचार्ज बलदेवराज नागपाल ने मुख्यतिथि के साथ-साथ श्रद्धालुओं का आभार जताया। उन्होंने कहा कि 24 अपै्रल बुधवार को रामनगर कॉलोनी स्थित पंजाबी कम्यूनिटी सैंटर में मानव एकता दिवस मनाया जाएगा। इस मौके पर प्रातः 8 से साढ़े 11 बजे तक रक्तदान शिविर व साढ़े 11 से डेढ़ बजे तक भव्य सत्संग होगा।

संत रंगीला ने उपस्थित मानव समाज को सम्बोधित करते हुए फरमाया कि सबका भला मांगने से स्वयं का भला अपने आप हो जाता है, इंसानी जीवन में ब्रह्मज्ञान प्राप्ति की सबसे ज्यादा महत्ता है। उन्होंने कहा कि बच्चों को सत्संग से जोड़ने से उनके व्यक्तित्व में निखार तथा सुंदर समाज का निर्माण होता है। जात-पात से ऊपर उठकर हर इंसान से प्यार करना ही इंसानियत होती है। उन्होंने समझाया कि पहचान के बिना प्यार नहीं हो सकता। परमात्मा से प्यार करने के लिए परमात्मा की पहचान जरुरी है। परमात्मा की पहचान के लिए पूर्ण सद्गुरु का जीवन में आना जरुरी है। वर्तमान समय में सद्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज मानव समाज को ब्रह्मज्ञान की दात देकर परमात्मा की पहचान करवा रहे हैं।

### राधाकृष्ण संगठन ने निकाली प्रभात फेरी

नारनौल। राधाकृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 66वीं प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम प्रभात फेरी के यजमान वरिष्ठ अधिवक्ता अग्रवाल सभा के प्रधान प्रेमचंद गुप्ता ने परिवार सहित ठाकुर जी की आरती करके सभी को चंदन का तिलक लगाया।

प्रभात फेरी उनके निवास स्थान से प्रारंभ होकर हुड्डा सेक्टर, शिव कॉलोनी में परिक्रमा करके यजमान के निवास स्थान पर समाप्त हुई। परिक्रमा मार्ग में धरती के प्रत्येक जीव जंतु ने एक भाव से प्रातः काल की बेला में ढोल नगाड़ों की थाप पर राधे नाम का गूंजन किया। इस दौरान लोगों ने घरों से बाहर निकाल कर ठाकुर जी के दर्शन किए व आरती कर प्रसाद वितरित किया।

## दादरी के विकास को आगे बढ़ाने के लिए लिया फैसला : सतपाल सांगवान

चरखी दादरी। पूर्व सहकारिता मंत्री सतपाल सांगवान ने भाजपा में शामिल होने के बाद पहली बार मीडिया के समक्ष कहा कि भाजपा के साथ क्षेत्र के विकास को आगे बढ़ाने के लिए कार्यकताअरं के सम्मान को लेकर शामिल हुआ हूं। दादरी के विकास को आगे बढ़ाया जाएगा और कार्यकताअरं का पूरा मान-सम्मान को कभी ठेस नहीं पहुंचने दिया जाएगा। पूर्वमंत्री सांगवान भाजपा में शामिल होने के बाद रविवार को दादरी में रेलवे रोड पर व्यापारियों द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में पहुंचे थे, यहां व्यापारियों ने सांगवान का स्वागत किया और हरसंभव साथ देने का वादा किया। सांगवान ने कहा कि वे क्षेत्र के विकास के लिए ही भाजपा में शामिल हुए थे। हालांकि दूसरी पार्टियों के भी ऑफर थे, इसके बावजूद दादरी को आगे बढ़ाने के लिए कार्यकर्ताओं से रायशुमारी करके ही भाजपा में आए हैं। इस मौके पर रविंद्र सिलगर, चांदूलाल, पवन गर्ग, रविंद्र गुप्ता, बलराम गुप्ता, अतुल गौतम, लक्ष्मण, मितेश गुप्ता, अमन मितल, रामौतार आदि मौजूद रहे।

## अपने मत का प्रयोग जरूर करेंः डीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेश नरवाल ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए मताधिकार का प्रयोग जरूरी है, अपने मत से ही नागरिक अपने मनपसंद नेता को चुनते हैं। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान में हर नागरिक को वोट का समान रूप से अधिकार दिया गया है, ऐसे में किसी पात्र नागरिक का वोट नहीं बना है तो वे तुरंत वोटर कार्ड बनवा लें, ताकि चुनावों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकें। जिला निर्वाचन अधिकारी नरवाल ने बताया कि नागरिक 26 अप्रैल तक अपना वोट बनवा सकते हैं। पात्र व्यक्ति संबंधित बीएलओ, निर्वाचन पंजीयन अधिकारी, सहायक निर्वाचन पंजीयन अधिकारी के पास फॉर्म-6 भरकर वोट बनवा सकते हैं, ये फॉर्म मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय विभाग की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है, जो डाउनलोड किए जा सकते हैं। वोट बनवाने के लिए दो रंगीन फोटो, निवास व आयु प्रमाण पत्र आदि जरूरी हैं।

### मतदाता सूची में नाम होना जरूरीः उपायुक्त

उपायुक्त नरवाल ने कहा कि लोकतंत्र के महापर्व में हर मतदाता मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें। मतदाता ये अवश्य सुनिश्चित कर लें कि उनका नाम मतदाता सूची में दर्ज हो, जिस मतदाता का नाम मतदाता सूची में है, केवल वही मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकता है।

### इन दस्तावेजों को दिखाकर भी डाल सकते हैं वोट

डीसी नरवाल ने बताया कि एपिक कार्ड के अलावा मतदाता भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अन्य वैकल्पिक फोटो पहचान दस्तावेजों का उपयोग करके भी वोट डाल सकते हैं। इन दस्तावेजों में पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, केंद्रीय, राज्य सरकार, सार्वजनिक उपक्रमों या सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा कर्मचारियों को जारी किए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, फोटोयुक्त पासबुक, पैन कार्ड, श्रम मंत्रालय द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, श्रम मंत्रालय की योजना के तहत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड आद शामिल हैं।

## देवीलाल की नीतियों को आगे बढ़ाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

जेजेपी प्रत्याशी राव बहादुर सिंह केवल नाम के ही बहादुर नहीं, ये काम के भी बहादुर हैं और हमेशा यहां की जनता के दुख-दर्द में हमेशा बराबर के शरीक रहे हैं। उक्त विचार जननायक जनता पार्टी के प्रधान महासचिव दिग्विज सिंह चौटाला ने राव बहादुर सिंह के समर्थन में रिवासा, सिसोठ, भगडाना, पाली, धौली, झाखड़ी, जांट, भुरजट, आदलपुर, खरखड़ा, गढ़ी, बास, आकोदा की ढाणी, आकोदा, बसई, स्याणा, पोता, बाघोत, खेड़ी, तलवाना, बवाना, मालड़ा सराय, मालड़ा, बास, लावन, माजरा कलां व झूक में ग्रामीण जनसभाओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। जजपा नेता दिग्विजय सिंह चौटाला ने जनसभाओं में ग्रामीणों द्वारा किए गए गर्मजोशी से स्वागत के लिए पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला की तरफ से उनका आभार प्रकट किया और कहा कि आज वह राव बहादुर सिंह के लिए आप लोगों से वोट मांगने आए हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के चुनाव में राव बहादुर ने भिवानी जिले से बड़ी लीड हासिल की थी, लेकिन यहां महेंद्रगढ़ जिले में पीछे रह गए थे। इसलिए अबकी बार पक्का मन बना लें कि महेंद्रगढ़ जिले से इनको भारी मतों से जीताकर भेजेंगे।

## बहुमत से बनेगी भाजपा की सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

- भाजपा जिला उपाध्यक्ष बंटी ने किया जनसंपर्क

भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेश बंटी ने लोकसभा चुनाव को लेकर गांव में जनसंपर्क अभियान चलाया। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी धर्मबीर सिंह के लिए मतदान की अपील की। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए बंटी ने कहा कि देश में प्रचंड बहुमत के साथ नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बनेगी। प्रत्येक मतदाता देशहित की सोच रखता है, उन्हें अच्छी तरफ पता है कि भारत का भविष्य किसके हाथ में सुरक्षित है। केवल मोदी के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भर बन सकता हैं। बंटी ने कहा कि भाजपा ने बेदाग व साफ छवि के उम्मीदवारों को टिकट देकर जनता के बीच में भेजा है, जो खुद की नहीं बल्कि जनहित की सोच रखते हैं। उन्होंने कहा की पिछले 10 वर्ष के भाजपा कार्यकाल में भिवानी महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र का सम्पूर्ण विकास हुआ है। गांव में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई हैं, आज किसानों के अनाज को सरकारी रेट में तुरंत खरीदा जा रहा और भुगतान भी 24 घंटों में किया जाता है। भाजपा कार्यकाल में रेतीले इलाकों में टेल तक पानी पहुंचा है, जहां वर्षों तक एक बूंद तक नहीं पहुंचता था और आज वहां किसान नहरी पानी से फसलों में सिंचाई कर रहे हैं।

चरखीदादरी। लोगों से मुलाकात करते भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेश बंटी। फोटो : हरिभूमि

## शिविर में 200 मरीजों का जांचा स्वास्थ्य, दवाइयां दी

भिवानी। प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक स्वास्थ्य लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से इंडियन वेटरन ऑर्गेनाइजेशन की महिला विंग की जिलाध्यक्षा निर्मला परमार ने रविवार को गांव रिवाड़ीखेड़ा स्थित शिव मंदिर में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। शिविर में मलिक सुपरस्पेशिलिटी अस्पताल से डॉ. संदीप मलिक, डॉ. रक्षिता मलिक, डॉ. विजय गुलिया ने विभिन्न बीमारियों के 200 मरीजों की निःशुल्क जांच कर उन्हें दवाईयां वितरित की। चिकित्सकों ने कहा कि मौसम बदल रहा है तथा बदलते मौसम में बीमारियों का प्रकोप शुरू हो जाता है, ऐसे में स्वास्थ्य के प्रति विशेष ध्यान रखे जाने की आवश्यकता है। शिविर की आयोजक निर्मला ने कहा कि आधुनिक जीवन की भागदौड़ में लोग निरंतर बीमारियों का शिकार होते जा रहे है, ऐसे में अपने स्वास्थ्य के प्रति विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि निःशुल्क चिकित्सा शिविर मानव की सेवा का यज्ञ है, इस यज्ञ में अपनी सेवा रूपी आहुति देने वाले सभी व्यक्ति पुण्य के पात्र है। निर्मला परमार ने चिकित्सकों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर बाला देवी, सुरेंद्र परमार, जयवीर सिंह, आदित्य, शीला, संतोष, पुष्पा, कमलेश देवी आदि मौजूद रहे।

## तमाम दावों के बावजूद सीवर समस्या का नहीं हुआ समाधान : मनीषा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

- लोग नरकीय जीवन जीने को मजबूर हैं

कांग्रेस वरिष्ठ नेत्री डॉ. मनीष सांगवान ने कहा कि शहर में सीवरेज समस्या लोगों के लिए परेशानी का बड़ा कारण बनी हुई है। लगातार मांग व आंदोलन के बाद भी सरकार का ध्यान नहीं गया।

सरकार व जनप्रतिनिधि बार-बार करोड़ों रुपये खर्च कर समस्या के समाधान का दावा करते हैं, लेकिन शहर में बने हालात व गलियां में जमा दूषित जलभराव उनके दावों की पोल खोल रहे हैं। सीवर जाम होने के कारण मुख्य गलियों व बाजारों में दूषित जलभराव है। उन्होंने कहा कि विभाग व सरकार की अनदेखी के कारण लोग नरकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। डॉ. मनीषा ने कहा कि शहर में सीवरेज समस्या का समाधान नहीं किए जाने के कारण दूषित जलभराव, दूषित पेयजल आपूर्ति आदि की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। लेकिन सरकार आंख बंद कर तमाशबीन बनी हुई है। उन्होंने कहा कि हल्की बारिश में भी कई फुट पानी जमा हो जाता है। दुकानों के सामने दुगंर्धयुक्त पानी जमा होने से दुकानदारों का अपनी दुकानों में बैठना दूभर हो गया, जिससे उनकी दुकानदारी भी प्रभावित हो रही है। दूषित जलभराव की समस्या के कारण दुकानदारों को दूसरी परेशानियों के साथ-साथ आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ रहा है। सांगवान ने कहा कि बाजार हो या रिहायशी कॉलोनियां हर जगह बुरा हाल है, लोगों का घरों से निकलना भी दूभर हो गया है। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय में भी समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा।

### पृथ्वी दिवस की पूर्व संध्या पर किया पौधरोपण

महेंद्रगढ़। गांव सीगड़ा के मुक्तिधाम आश्रम में पृथ्वी दिवस की पूर्व संध्या पर प्रयास श्री बालाजी संस्था प्रमुख मनोज में घनवास के मार्गदर्शन में पौधरोपण किया गया। मनोज ने कहा कि पृथ्वी दिवस आधुनिक युग में एक विशेष दिवस बन गया है। क्योंकि धरा अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही हैं। जैसा कि हमारी संस्कृति में इसे मां अर्थात जननी का स्थान दिया गया है। यह हमारी पालक हैं। आज मानव उत्पादन बढ़ाने व विकास के नाम पर अपनी गलतियों की वजह से इसे बंजर बनाने पर उतारू है। जिस वजह से भूमि की ऊपरी सतह बिल्कुल प्रदुषित हो चुकी है। पौधरौपण की व्यवस्था देख रहे संस्था सदस्य अनय सीगडा व सत्यबीर ने बताया कि प्रयास संस्था का मुख्य उद्देश्य पौधरोपण कर उनकी रक्षा सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

## चुनावों को लेकर देश में उत्साह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहल

बहल। बहल में खटीकान धर्मशाला में लोगों से मुलाकात करते वित्तमंत्री जेपी दलाल।

प्रदेश के वित्तमंत्री जेपी दलाल ने कहा कि देश की जनता राष्ट्र के विकास एवं मजबूती के लिए लोकसभा चुनावों में भाजपा को बहुमत देकर नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाएगी। पूरे देश में चुनावों को लेकर भारी उत्साह है, क्योंकि जनता जान चुकी कि देश का भविष्य केवल पीएम मोदी के हाथों में सुरक्षित है और वह लोकतंत्र के पर्व रूपी यज्ञ में भाजपा को सत्तासीन करने में अपनी आहुति देने को उत्साहित है।

वे रविवार को कासनीकलां गांव में रघुबीर भालोठिया के घर पर आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे। उन्होंने कहा कि जब से नरेन्द्र मोदी ने देश का प्रधानमंत्री का पद संभाला है, तब से देश का हर क्षेत्र में विकास हुआ है। चिकित्सा, शिक्षा, खेल, परिवहन सहित हर क्षेत्र में ऐसी विकासपरक नीतियां बनाई जिससे जनता को लंबे समय तक उन विकास परियोजनाओं का फायदा मिलता रहें। वित्तमंत्री ने सुरपुरा खुर्द गांव में मृतक सुनील के घर जाकर उनके परिजनों को सांत्वना दी व बहल में विनोद सोलंकी की पुत्रियों की शादी में शामिल होकर उन्हें आशीर्वाद दिया।

### ये रहे मौजूद

इस अवसर पर जिला पार्षद रविन्द्र मंढ़ोली, चेयरमैन अनिल झाझड़ियां, बहल भाजपा मंडल प्रधान सुनील शर्मा, विस विस्तारक रमेश जांगड़ा, मंडल महामंत्री अजय बिधनोई, सरपंच साधूराम पनिहार, पवन शर्मा सुरपुरा, विरेन्द्र लांबा आदि मौजूद रहे।

## पृथ्वी दिवस पर सोनी धर्मशाला में पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन

# जल संरक्षण व नशामुक्ति की दिलवाई शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

चरखीदादरी। पृथ्वी व जल संरक्षण का संदेश देती ब्रह्मकुमारीज भाई बहन व अन्य।

- पेंटिंग प्रतियोगिता में कुमारी दीप्ति प्रथम

ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र झोझूकलां के तत्वावधान में विश्व पृथ्वी दिवस की पूर्व संध्या पर प्लानेट व प्लास्टिक विषय पर सोनी धर्मशाला कलियाणा में आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता में कुमारी दीप्ति ने प्रथम, तनु ने द्वितीय व मानव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन ने पृथ्वी को हरा भरा व खुशहाल बनाने के लिए अपनी मानसिक स्थिति को शान्त, शुद्ध, पवित्र बनाने का आह्वान किया। उन्होंने लोगों को कहा कि पृथ्वी एक ऐसा अनोखा ग्रह है, जिस पर अन्न,जल, हवा के साथ जीवनयापन के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं, लेकिन आज हमने अपनी सुख सुविधाओं के कारण प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध प्रयोग किया है, जिसकारण पर्यावरण प्रभावित हुआ है, जो चिंता का विषय है। ब्रह्माकुमारी बहन ने कहा कि प्लास्टिक सबसे ज्यादा पर्यावरण को प्रभावित कर रहा है, जितना ही सामान प्लास्टिक से जीवनयापन को बनाया हैं, उससे कहीं ज्यादा दुःखदाई है। बहन वसुधा ने कहा कि मानवता का विनाश का सबसे बड़ा कारण प्लास्टिक बन सकता है। बच्चों पर्यावरण प्रदूषण से अनोखे ग्रह पृथ्वी को बचाने के लिए अपील की।

### प्रकृति व पृथ्वी का संरक्षण सबका परमकर्तव्य

झोझूकलां सेवाकेंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी ज्योति बहन ने कहा कि प्रकृति व पृथ्वी का लालन-पालन हमें समय रहते नहीं किया तो एक दिन इससे मिलने वाले सभी उपहार बंद हो जाएंगे, इसलिए हमारा प्रकृति व पृथ्वी का संरक्षण करना परमकर्तव्य है, हमें हर अवसर पर पौधरोपण कर उनका पालन करना चाहिए। ब्रह्माकुमारी ज्योति ने ग्रामीणों को पृथ्वी व जल संरक्षण व नशामुक्त जीवन जीने की शपथ दिलवाई।

## यज्ञ से सुगंधीकरण, पर्यावरण स्वच्छता व सुविचारों का होता आदान प्रदानः स्वामी

बहल। आर्य समाज बहल में रविवार को साप्ताहिक यज्ञ में आर्यजनों को यज्ञ की महिमा व यज्ञ के प्रकार की जानकारी दी। स्वामी आदित्यानंद महाराज ने उपस्थितजनों से कहा कि यज्ञ किसी भी विधि से किया गया हो उसमें सुगंधीकरण,पर्यावरण की स्वच्छता, सत्संग व सुविचारों के आदान प्रदान का सुअवसर प्राप्त होता है। स्वामी ने हवन की धार्मिक महत्ता के अतिरिक्त वैज्ञानिक पहलू पर भी प्रकाश डाला। रविवार को आर्य समाज परिसर में यज्ञ में वैदिक मंत्रोचारण के बाद यज्ञ की पूणार्हुति दी गई। स्वामी आदित्यानंद ने बताया कि हवन कोई नया विचार नहीं है,वेदों के अतिरिक्त हमारे ग्रंथ गीता में भी सात्विक, राजसिक व तामसिक तीन प्रकार के यज्ञों की चर्चा है, जिसमें यज्ञ को फल की अपेक्षा न कर कर्तव्यभाव से वैदिक विधि द्वारा एकाग्रता के साथ करने वाले यज्ञ को सात्विक यज्ञ माना गया है। यज्ञ में मुख्य यजमान सुधा यादव व प्रिंसिपल कृष्ण कुमार यादव रहे। इस मौके पर डॉ. एनपी गौड़, बलवान, रामनिवास सैनी, विनोद, सिद्धार्थ सिद्धू, डॉ. पूर्ण मानिकताला, नरेश सांखला, राजकुमार सांगवान आदि मौजूद रहे।

**खबर संक्षेप**

### अपहरण कर लूटने के मामले में दो गिरफ्तार

**हिसार।** शहर पुलिस ने पारिजात चौक के पास एक व्यक्ति का अपहरण कर मोबाइल फोन और दो हजार रुपए लूटने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें सातरोड खुर्द निवासी शुभम और अंबेडकर बस्ती निवासी सोनू शामिल है। उप निरीक्षक रमेश कुमार ने बताया कि इस संबंध में पंजाब के सरदुलगढ़ निवासी मिठ्ठूराम ने दो ऑटो सवार युवकों द्वारा उसका अपहरण कर मोबाइल फोन और दो हजार रुपए लूटने के बारे में शिकायत दी थी।

### हमले के दो आरोपितों को भेजा जेल

**बरवाला।** पुलिस ने गांव खेदड में स्थित एक ढाबे पर कार्यरत कारिंदों पर हमला करने के आरोप में संलिप्त दो आरोपितों गांव खेदड निवासी प्रदीप और विक्रम को गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी प्रदीप कुमार ने बताया कि गिरफ्तार किए गए इन दोनों आरोपितों गांव खेदड़ निवासी प्रदीप और विक्रम को हिसार अदालत में पेश किया जहां पर अदालत ने इन दोनों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने इन आरोपितों के कब्जे से इस हमले करने में प्रयुक्त बास का डंडा और गाड़ी को उनकी निशानदेही पर बरामद कर लिया है।

### मोटर चोरी करने वाली महिला गिरफ्तार

**हांसी।** सदर थाना पुलिस ने जलघर में मोटर चोरी करने के आरोप में एक महिला को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार की गई आरोपिया की पहचान बवानीखेड़ा निवासी राजो के रूप में हुई है। जांच अधिकारी मुख्य सिपाही बन्नी सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी महिला ने कुछ दिन पहले अपने सहयोगियों के साथ मिलकर घिराए गांव स्थित जलघर में गांव में पेयजल आपूर्ति के लिए लगाई गई 6 मोटर चोरी कर ली थी। पुलिस ने चुराई गई मोटरें बरामद कर ली है।

### बस स्टैंड पर शौचालय जर्जरहालत में, विभाग कर रहा अनदेखी : राजेश

# बहल बस स्टैंड पर सुविधाओं का भारी टोटा, यात्री परेशान

पर्यटन विकास मंच के चेयरमैन राजेश गारनपुरा ने टीम के साथ बस स्टैंड का दौरा किया।

हरिभूमि न्यूज »» भिवानी

हरियाणा राज्य परिवहन विभाग के खस्ताहाल एवं जर्जर बस स्टैंड लोगों की परेशानियां बढ़ा रहे हैं। बस स्टैंड की बदहाल स्थिति के कारण यात्रियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। बारिश व गर्मी में लोगों का यहां खड़े होकर बसों का इंतजार करना मुश्किल रहता है। वहीं बस स्टैंड परिसर में बने शौचालय बदहाल हो चुके हैं, जिसके चलते यात्रियों की परेशानियां और अधिक बढ़ जाती है। इसके बावजूद रोडवेज विभाग के अधिकारी समस्याओं के समाधान की ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे और यात्रियों की परेशानियों को अनदेखा कर रहे हैं। इन दिनों कस्बा बहल के बस स्टैंड भी ऐसा ही हाल है, जो देखरेख के अभाव में दिन-प्रतिदिन जर्जरहाल होता जा रहा है। पर्यटन विकास मंच के चेयरमैन राजेश गारनपुरा ने रविवार को टीम के साथियों के साथ बस स्टैंड का दौरा किया। उन्होंने कहा कि बहल बस स्टैंड पर सुविधा के नाम पर कुछ नहीं हैं, केवल परेशानियां ही नजर आ रही है। यहां पर पक्की सड़क न होने चलते बस आने पर धूल के गुब्बार उड़ते है, जो यात्रियों के स्वास्थ्य के प्रति हानिकारण हैं। इसके अलावा यात्रियों की सुविधा के लिए बस स्टैंड पर पंखे या बैंच तो दूर शौचालयों की स्थिति भी बद से बदत्तर है, जो यात्रियों के लिए सबसे बड़ी परेशानी है।

भिवानी। बहल बस स्टैंड पर बनी अव्यवस्था व बहल बस स्टैंड पर बदहाल स्थिति में शौचालय। फोटो : हरिभूमि

**बस स्टैंड परिसर में हर तरफ कूड़ा- कचरा**

उन्होंने बताया कि बहल बस स्टैंड परिसर गंदगी से अटा हुआ है, हर तरफ कूड़ा कचरा नजर आ रहा है और मिट्टी पड़ी है, जो हल्की से आंधी व हवा चलने पर यात्रियों के लिए परेशानी बन जाती है। उन्होंने रोडवेज विभाग से मांग की कि जल्द से जल्द बहल बस स्टैंड की समस्याओं का निराकरण करें,अन्यथा क्षेत्रवासियों के साथ मिलकर विरोध जताया जाएगा।

भिवानी। स्वामी विवेकानंद छात्रावास में बच्चों को प्रसाद वितरित करते सेवा भारती महिला मंडल के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

## छात्रावास में फल और प्रसाद वितरित कर मनाया जन्मदिन

■ अपने जन्मदिन पर पौधरोपण व जरूरतमंदों को खिलाएं भोजन: ऋषि

हरिभूमि न्यूज »» भिवानी

सेवा भारती द्वारा डोभी तालाब गीता भवन के पास स्वामी विवेकानंद छात्रावास में सेवा भारती महिला मंडल उपाध्यक्ष रचना शुक्ला के पुत्र ऋषि शुक्ला ने अपना जन्मदिन छात्रावास में पढ़ने वाले बच्चों को फल व प्रसाद वितरित करके मनाया। ऋषि ने उपस्थितजनों को संदेश देते हुए कहा कि हमें अपना जन्मदिन पौधरोपण करके या जरूरतमंदों को भोजन खिलाकर मनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सेवा भारती पूर्णरूप से सामाजिक कार्यों में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि संस्था युवाओं को कुरीतियों के प्रति जागरूक भी कर रही है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में खुशदत्त, भास्कर शुक्ला, चांदनी, रेखा, मनोज व नितेश का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में सेवा भारती के जिलाध्यक्ष मनोहर लाल, सचिव नैन कुमार, उपाध्यक्ष लीला देवी, महिला मंडल उपाध्यक्ष रचना शुक्ला, कोषाध्यक्ष नरेश बंसल उपस्थित रहे।

## बाल श्रम व बाल विवाह अभिशापः बिमला

■ मुंढालकलां और मुंढाल खुर्द की आंगनबाड़ी केंद्रों में जागरूकता कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज »» बवानीखेड़ा

महिला एवं बाल विकास विभाग ने डीसी नरेश नरवाल के मार्गदर्शन में मुंढालकलां और मुंढाल खुर्द की आंगनबाड़ी केंद्रों में अक्षय तृतीय के मद्देनजर बाल विवाह पर पूर्णरूप से रोकथाम को लेकर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस मौके पर बाल विवाह, बाल श्रम, शिक्षा छोड़ने और बढ़ते नशे जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। मीटिंग में बतौर मुख्यतिथि सुपरवाइजर बिमला शामिल हुई और उपस्थित महिलाओं को संबोधित किया। मुख्यतिथि ने बाल विवाह व बाल मजदूरी पर रोक लगाने पर करवाने वालों पर कानूनी कार्रवाई करने को बनाए गए कानूनों की महिलाओं को जानकारी दी। इसके उपरांत बाल विवाह, बाल श्रम व नशा रोकने की शपथ दिलवाई गई। उन्होंने कहा कि बाल विवाह व बाल श्रम समाज के लिए अभिशाप है, इसका पुरजोर विरोध करना चाहिए। इस मौके पर प्रोमिला, सांवत, रेनू, मनिता, अनिता, मुकेश, संतोष, सरिता, शर्मिला, अनीता आदि मौजूद रही।

बवानीखेड़ा। बाल विवाह व बाल श्रम के विरोध में जागरूकता फैलाने का संकल्प दिलवाती आंगनबाड़ी सुपरवाइजर। फोटो: हरिभूमि

## कानूनी सहायता के बारे में लोगों को जागरूक करें

■ सीजेएम राठी ने उपमंडल विधिक सेवा समिति के कार्यों की समीक्षा की

हरिभूमि न्यूज »» भिवानी

जिला जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन तथा जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक अग्रवाल के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव कम सीजेएम कपिल राठी ने न्यायिक परिसर सिवानी, तोशाम, लोहारू का दौरा कर पैनल अधिवक्ता मध्यस्थों और पैरा लीगल वॉलिंटियर्स की बैठक ली। इन अलग-अलग बैठकों में तोशाम, सिवानी ओर लोहारू उप मंडल कानूनी सेवाएं समिति के अध्यक्षों एवं एसडीजेएम सीनियर डिवीजन जजों की उपस्थिति में सीजेएम कपिल राठी ने उपमंडल विधिक सेवा समिति के कार्यों की समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि कानूनी सहायता और उनकी सेवाओं के बारे में विशेष रूप से जनता को जागरूक किया जाए, ताकि जनता कानून की सहायता का लाभ उठा सके। विधिक सेवा प्राधिकरण का उद्देश्य समाज के कमजोर वर्गों के लोगों के लिए निःशुल्क और कानूनी सेवाओं की पेशकश करना है, ये कमजोर वर्गों के लोगों को निःशुल्क सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना ओर साथ-साथ उन्हें अधिकारों के बारे में जागरूक करने का प्रयास करता है। उन्होंने बताया कि सीनियर सिटीजन व सभी महिला, माताओं, बच्चों, विकलांग व्यक्तियों के लिए, अनुसूचित जाति जनजाति के अधिकारों की रक्षा के लिए निःशुल्क में वकील भी लीगल एड द्वारा दिया जाता है। उन्होंने उपमंडल कानूनी सेवाएं समिति के अध्यक्षों के साथ बैठकों में सभी पैनल अधिवक्ताओं और पीएलवी को आगामी 11 मई को लोक अदालत के आयोजन की तैयारियां व प्रचार-प्रसार करने का आह्वान किया।

भिवानी। उपमंडल विधिक सेवा समिति के कार्यों की समीक्षा करते सीजेएम राठी।

## कलश यात्रा से श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान सप्ताह यज्ञ का हुआ शुभारंभ

भिवानी। रेलवे कॉलोनीवासियों के सहयोग से रेलवे कॉलोनी में होने वाली सात श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान सप्ताह यज्ञ का रविवार को कलश यात्रा के साथ शुभारंभ हुआ। कलश यात्रा में महिलाएं ने सिर पर कलश उठाकर शिव मंदिर से परिक्रमा कर कथा स्थल तक कलश यात्रा कथा स्थल पहुंची। नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे एंपलाइज यूनियन के अध्यक्ष कृष्ण कौशिक ने बताया कि पंडित बृजमोहन कौशिक कथा का वाचन करेंगे। उन्होंने कहा कि कथा का आयोजन समस्त जीवधारियों की सुख समृद्धि के उद्देश्य से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सत्संग एवं कथा के माध्यम से मनुष्य भगवान की शरण में पहुंचता है, अन्यथा वह इस संसार की मोहमाया के चक्कर में उलझा रहता है. इसीलिए प्रत्येक मनुष्य को श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण अवश्यक करना चाहिए। वहीं श्रीमद्भागवत कथा संस्कारों की जनक मानी जाती है, जिसके माध्यम से युवाओं में अच्छे संस्कारों का समावेश किया जा सकता है। कथावाचक बृजमोहन कौशिक ने कहा कि कथा की सार्थकता तभी सिद्ध होती है।

## भगवान महावीर ने अहिंसा के सिद्धांतों को आत्मसात कर बहाया समता का स्त्रोत

■ भगवान महावीर जयंती के उपलक्ष्य में प्रभात फेरी, कलशाभिषेक, ध्वजारोहण का आयोजन

हरिभूमि न्यूज »» भिवानी

भगवान महावीर जयंती के उपलक्ष्य में श्रीएसएस जैन सभा द्वारा रविवार को विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस मौके पर विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से शहरवासियों को भगवान महावीर के दिखाए मार्ग पर चलते हुए देशहित में कार्य करने का आह्वान किया।

श्रीएसएस जैन सभा के प्रधान एनके जैन एवं अधिवक्ता पवन जैन ने बताया कि भगवान महावीर स्वामी जनकल्याण अवसर पर रविवार को सुबह पौने 6 बजे प्रभात फेरी निकाली। प्रभातफेरी जैन स्थानक से शुरू होकर तेरापंथ भवन, दिगंबर जैन बड़ा मंदिर, सराय चौपटा होती हुई दिगंबर जैन मंदिर नया बाजार में संपन्न हुई। इसके उपरांत पौने सात बजे नया बाजार स्थित दिगंबर जैन मंदिर में कलशाभिषेक व पूजन, सात बजे ध्वजारोहण किया। इसके उपरांत प्रातः साढ़े आठ बजे प्रवचन एवं भजन कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में साध्वीश्री सुप्रज्ञा महाराज का सान्निध्य रहा। साध्वीश्री सुप्रज्ञा ने बताया कि भगवान महावीर ने अपनी साधना में अहिंसा, अपरिग्रह, अनेकांत के सिद्धांतों को आत्मसात कर समता का स्रोत बहाया। अहिंसा धर्म का गौरव है, हमें भगवान के अनुयायी बनकर नहीं रहना है, बल्कि उनके बताए मार्ग पर चलना है, तभी सही अर्थ में हम महावीर जयंती मना पाएंगे। इस मौके पर अधिवक्ता बीबी जैन, अधिवक्ता सुरेंद्र जैन, महिंद्रा आर्य, अनिल कुमार जैन आदि मौजूद रहे।

भिवानी। भगवान महावीर जयंती के उपलक्ष्य में प्रभातफेरी निकालते अनुयायी।

भिवानी। महंत चरणदास के साथ स्वच्छता अभियान के लिए एकत्रित विभिन्न सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता। फोटो: हरिभूमि

## सामाजिक संगठनों ने शहर में चलाया स्वच्छता अभियान

■ स्वच्छता को औपचारिता नहीं, जिम्मेदारी से अपनाने की जरूरत: चरणदास

हरिभूमि न्यूज »» भिवानी

शहर को साफ-सुथरा एवं स्वच्छत बनाने के उद्देश्य से युवा स्वच्छता एवं जनसेवा समिति दुल्हेड़ी के नेतृत्व में युवा जागृति एवं जनकल्याण मिशन ट्रस्ट द्वारा महात्मा ज्योतिबा फूले धर्मार्थ ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने रविवार को शहर में करीबन तीन किलोमीटर तक स्वच्छता अभियान चलाया तथा नागरिकों को स्वच्छता अपनाकर गंदगी से पनपने वाली बीमारियों से दूर रहने का आह्वान किया। ये अभियान हनुमान गेट से शुरू होकर हनुमान ढ़ाणी चौक से होते होते हुए हनुमान जोहड़ी मंदिर तक चलाया गया। स्वच्छता अभियान में हनुमान जोहड़ी मंदिर के महंत बालयोगी चरणदास महाराज का सान्निध्य रहा। महंत चरणदास ने कहा कि शहर को स्वच्छ बनाने के लिए ऐसे प्रयास व सराहनीय मुहिम का संचालन बहुत जरूरी है। अभियान को सफल बनाने में युवाओं की विशेष भूमिका होती है, क्योंकि युवावर्ग असल में भविष्य के निर्माता होते है, ऐसे में स्वच्छता के प्रति उनका जागरूक होना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता को औपचारिता नहीं, बल्कि अपनी जिम्मेदारी मानते हुए, अपनाने की जरूरत है।

## नौ माह पहले नियुक्ति पत्र मिला पर नियुक्ति नहीं हुई

हरिभूमि न्यूज »» तोशाम

हरियाणा कौशल रोजगार द्वारा स्वयं सहायता समूह में ब्लॉक कलस्टर के पद सिढान निवासी भालसिंह का नियुक्ति पत्र भजने के बावजूद भी करीबन नौ माह से नियुक्ति नहीं हो रही है।

सिढान निवासी भालसिंह ने प्रशासन से नियुक्ति दिलवाने की मांग की है। सिढ़ान निवासी भालसिंह ने बताया कि हरियाणा कौशल रोजगार द्वारा 14 जुलाई 2023 को स्वयं सहायता समूह में ब्लॉक कलस्टर के पद पर नियुक्ति लेने के लिए पत्र मिला था, इसके बाद भालसिंह को 29 जुलाई तक नियुक्ति लेनी थी। भालसिंह नियुक्ति के लिए दादरी गया, जहां पर उसे नियुक्ति नहीं दी गई और न ही नियुक्ति नहीं देने का कारण बताया। भालसिंह ने बताया कि वह 3 से 4 चक्कर नियुक्ति लेने के लिए लगा चुका, लेकिन नियुक्ति नहीं मिली। उन्होंने बताया कि हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत नियुक्ति पत्र तक भेज देते हैं, लेकिन असल में नियुक्तियां नहीं होती, जहां नियुक्ति के लिए जाते हैं वहां नियुक्ति दी नहीं जाती। बेरोजगार जरूरतमंद युवा धक्के खा खाकर थककर बैठ जाते हैं और सरकार अपने आंकड़ों में रोजगार दे रही है।

**हरिभूमि**
**आवश्यक सूचना**
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नंबरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्पूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8295157800, 8814999151, 9253681005

**मृत्यु अंत नहीं है**
मृत्यु कभी भी अंत नही हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी है।
**तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश**
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

| साईज | संस्करण | विशेष छूट राशि |
| --- | --- | --- |
| 5×8 सें.मी<br>10×8 सें.मी | स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर | रु. 2000/-<br>रु. 2500/- |

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्पूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

### एडीसी ने फसल खरीद से संबंधित अधिकारियों व ट्रांसपोर्टर को दिए सख्त निर्देश

# मंडियों में सरसों व गेहूं की खरीद के बाद उठान में लाएं तेजी

हरिभूमि न्यूज »» भिवानी

एडीसी हर्षित कुमार ने सरसों व गेहूं उठान कार्य के अधिकारियों व ठेकेदारों को निर्देश दिए कि वे जिले की सभी मंडियों से फसल के उठान कार्य में तेजी लाएं। उन्होंने अधिकारियों व ट्रासपोर्टर को चेताया कि उठान कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उठान कार्य के लिए वाहनों की कोई कमी नहीं है। एडीसी रविवार को लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए सभागार में सरसों व गेहूं के खरीद संबंधित विभागों के अधिकारियों और ठेकेदारों को जरूरी निर्देश दे रहे थे।

उन्होंने कहा कि जिले की सभी मंडियों में गेहूं व सरसों की बंपर आवक है। मेरी फसल मेरा ब्योरा पर पंजीकरण के आधार पर किसान सरसों व गेहूं लेकर आ रहे हैं, ऐसे में खरीद के साथ-साथ उठान कार्य भी तेजी से होना जरूरी है। उन्होंने बताया कि वाहनों की अगर बात की जाए तो भिवानी मंडी में हेफेड के पास 112, बवानीखेड़ा में 78, बहल में 101, चांग में 12, धनाना में सात, ढिगावा में 58, जुई में 48, खरक में पांच, लोहारू में 44, सिवानी में 97 और तोशाम में 62 वाहन हैं। इस प्रकार से कल 624 व्हीकल हैं। वेयरहाउस कॉरपोरेशन के पास भिवानी में 23, तोशाम में 45, बहल में 36, सिवानी में 73 वाहन हैं और कुल 177 हैं। फूड एंड सप्लाई विभाग के पास 89 वाहन हैं। उन्होंने बताया कि अजमेर के पास 103, अनूप के पास 70, कालू के पास 180,संजय के पास 48, सतीश के पास पांच, पवन के पास 26, सुनील के पास 130 और विजय के पास 62 व्हीकल हैं। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि उठान कार्य में लापरवाही सहन की नहीं जाएगी। इस मौके पर हेफेड के डीएम संदीप कुमार, डीएफओ प्रदीप कुमार, एएफएसओ मुकेश, डीएमईयू श्याम सुंदर व डॉ. सुनील कुमार सहित वेयरहाउस व मार्केट कमेटी के सभी अधिकारी,ट्रांसपोर्टर अजमेर, अनूप, कालू, संजय, सतीश, पवन, सुशील व विजय मौजूद रहे।

भिवानी। फसल खरीद से संबंधित अधिकारियों व ट्रांसपोर्टर को निर्देश देते एडीसी। फोटो: हरिभूमि

**उठान न होने से किसानों को हो रही परेशानी**

मंडियों में उठान कार्य धीमा होने की वजह से किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बीच-बीच में खरीद कार्य रोकना पड़ रहा है, इससे किसानों को दिक्कत आती है। उन्होंने कहा कि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि ठेकेदारों से संपर्क स्थापित कर उठान कार्य करवाएं।